RNI No. : TNHIN/2013/52520 ▪ वर्ष - 13 ▪ अंक - 323 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » रविवार » 21-06-2026 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को सबक सिखाया

6 लेटिनेंट धीरेंद्र सिंह अत्री : खून से लथपथ होकर भी आतंकवादियों का किया सफाया

7 शुरुआत में 'नमक इस्क का' नहीं गाना चाहती थीं : रेखा भारद्वाज

फर्स्ट टेक

ईडी ने हीरा ग्रुप धोखाधड़ी मामले में 159 करोड़ रुपए की संपत्ति नीलाम की

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि उसने हैदराबाद आधारित हीरा ग्रुप के खिलाफ धनशोधन की जांच के सिलसिले में 159 करोड़ रुपए की नई संपत्तियों की नीलामी की है। संबंधित समूह पर जमाकर्ताओं के साथ करोड़ों रुपए की निवेश धोखाधड़ी करने का आरोप है। नीलाम की गई संपत्तियों में 23 अचल संपत्तियां शामिल हैं, जिन्हें पहले धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत कुर्क किया गया था। इनकी पहचान ''अपराध से हुई कमाई से हासिल या खरीदी गई संपत्तियों'' के तौर पर की गई थी। ईडी ने बताया कि उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के अनुसार, 19 जून को 'मेटल स्क्रैप ट्रेड कॉर्पोरेशन लिमिटेड' (एमएसटीसी) के ज़रिए नीलामी की गई।

भारतीय ध्वज वाले तीन तेल टैंकर हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत रवाना

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन एवं जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने शनिवार को बताया कि भारत के ध्वज वाले कच्चे तेल के तीन टैंकर 94 भारतीय चालक दल के सदस्यों के साथ हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार कर भारत की ओर रवाना हो गए हैं। इन जहाजों में 8.6 लाख टन से अधिक कच्चा तेल लदा हुआ है। उन्होंने बताया कि 'देश वैभव', 'देश विभोर' और 'सनमार हेराल्ड' नामक तीनों टैंकर के 24 जून से एक जुलाई के बीच भारत पहुंचने की संभावना है। 'देश वैभव' के 24 जून को वाडीनार बंदरगाह पहुंचने की संभावना है, जबकि 'देश विभोर' के उसी दिन सिक्का बंदरगाह पहुंचने की उम्मीद है। तीसरा भारतीय ध्वज वाला तेल टैंकर 'सनमार हेराल्ड', जिसने शनिवार को हॉर्मुज जलडमरूमध्य पार किया, एक जुलाई को पारादीप बंदरगाह पहुंच सकता है।

युद्धविराम के बावजूद लेबनान में लड़ाई जारी रहने से खतरे में अमेरिका-ईरान समझौता

तायर (लेबनान)/एपी। युद्धविराम समझौते की खबरें सामने आने के कुछ ही घंटों बाद, शनिवार को दक्षिणी लेबनान पर इजराइली हमलों में दो बच्चों सहित कम से कम सात लोग मारे गए। लगातार जारी इस लड़ाई ने पश्चिम एशिया में युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका और ईरान के बीच हुए अंतरिम समझौते को खतरे में डाल दिया है। लेबनान की नेशनल न्यूज एजेंसी के अनुसार, हमलों में दक्षिणी शहर नबातीयेह और आस-पास के गाँवों को निशाना बनाया गया।

21-06-2026 सूर्यास्त 6:37 बजे	22-06-2026 सूर्योदय 5:43 बजे
BSE 76,802.90 (-607.08)	NSE 24,013.10 (-154.90)
सोना 15,018 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 240,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

त्वरित न्याय

एनकाउंटर को विधि जामा,
क्या पहना सकती सरकारें?
इस त्वरित न्याय का यह उपाय,
क्या हम ऐसे ही स्वीकारें?
क्या होगा न्याय व्यवस्था का,
सिस्टम को मिलती फटकारें।
अपराधी दण्डित हो जल्दी,
न्यायालय भी सच को धारें।।

भारतीय सशस्त्र बल राष्ट्रीय एकता का प्रतीक : राजनाथ सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

शिलांग/भाषा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को राष्ट्रीय एकता के प्रतीक के तौर पर भारतीय सशस्त्र बलों की भूमिका को रेखांकित किया। सिंह ने कहा कि संस्थान द्वारा विविधता को अपनाने और महिला कर्मियों की बढ़ती संख्या से समानता और स्थायी सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति भारत की प्रतिबद्धता का पता चलता है।

यहां वायुसेना की पूर्वी कमान के मुख्यालय में कर्मियों को संबोधित करते हुए सिंह ने कहा कि रक्षा बल एक ऐसी संस्था का प्रतिनिधित्व करते हैं जहां अलग-अलग पृष्ठभूमि के लोग देश की सेवा के लिए एक साथ आते हैं, जिससे आपसी सम्मान और एक साझा उद्देश्य की भावना को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा, ''रक्षा बल राष्ट्रीय एकता का प्रतीक हैं। वे एक ऐसी संस्कृति को दर्शाते हैं जिसमें अलग-अलग विचार फलते-फूलते हैं, अहम मूल्य बरकरार रहते हैं और आपसी सम्मान स्वाभाविक रूप से पनपता है।''

सेना में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी का ज़िक्र करते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि उनकी बढ़ती भूमिका न केवल संस्थागत प्रगति को बल्कि देश की गहरी सांस्कृतिक सोच को भी दर्शाती है।

सिंह ने कहा, ''रक्षा बलों में महिलाओं की बढ़ती भूमिका केवल संस्थागत प्रगति से कहीं अधिक है। यह उन सांस्कृतिक मूल्यों का प्रमाण है जिनके लिए भारत दुनिया भर में जाना जाता है। यह दिखाता है कि आधुनिकता को अपनाते हुए भी हमारी संस्कृति अपने मूल सिद्धांतों पर मज़बूती से टिकी हुई है।'' उन्होंने कहा कि सशस्त्र बल समावेशिता, अनुशासन और समर्पण का उदाहरण पेश करते रहते हैं, जिससे नागरिकों में भरोसा बढ़ता है और देश की एकता व सुरक्षा मजबूत होती है।

भारत ने हमेशा दुनिया में शांति का प्रसार किया : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को कहा कि भारत ने हमेशा दुनिया में शांति का संदेश फैलाया है क्योंकि मुद्दों को आपसी बातचीत से ही सुलझाया जा सकता है, युद्ध से नहीं।

राष्ट्रपति ने कहा, ''आज जब दुनिया युद्ध से पैदा हुई अशांति और अस्थिरता से जूझ रही है, तो भारत ने हमेशा सुलह और शांति की वकालत की है... मुद्दों को आपसी बातचीत से सुलझाया जा सकता है, न कि युद्ध से।'' उन्होंने यह बात ओडिशा के मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही, जहां वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ राज्य की भाजपा सरकार के दो साल पूरा होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री का पद संभालने के बाद से मोदी ने देशहित में कई कदम उठाए हैं। इस महीने, उन्होंने निर्वाचित प्रधानमंत्री के तौर पर सबसे लंबे समय तक लगातार पदासीन रहने का रिकॉर्ड बनाया।

सभी नागरिकों की ओर से प्रधानमंत्री को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर बधाई देते हुए उन्होंने कामना की कि वह अपनी दूरदर्शी सोच से देश के लोगों का भला करते रहें और 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प को पूरा करने में देश का नेतृत्व करें। उन्होंने देश और देशवासियों के प्रति प्रधानमंत्री मोदी के समर्पण की तारीफ करते हुए कहा कि उनके 'प्रभावशाली नेतृत्व' के कारण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पूरी दुनिया ने कोविड-19 महामारी के दौरान भारत के प्रबंधन कौशल को देखा। उस दौरान, भारत ने न केवल अपने लोगों का सफलतापूर्वक टीकाकरण किया, बल्कि कई विदेशी देशों को भी टीका उपलब्ध कराया। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं का सामना कर रहे देशों की मदद के लिए भारत हमेशा सबसे पहले आगे आया है।

मयूरभंज की धरती पर प्रधानमंत्री का स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने कहा कि व्यस्त कार्यक्रम के बावजूद मोदी का रायरंगपुर दौरा ओडिशा के प्रति उनके विशेष स्नेह और सम्मान को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि इस दौरे से रायरंगपुर के लोगों, खासकर आदिवासी भाई-बहनों में अपार खुशी है।

कई परियोजनाओं का उद्घाटन करते हुए उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं केवल विकास की प्रतीक नहीं हैं, बल्कि ये सामाजिक न्याय, समान अवसर और सर्वांगीण विकास के प्रति उनकी (प्रधानमंत्री के) प्रतिबद्धता का सबूत हैं। उन्होंने कहा कि विकास तभी सार्थक होता है जब उसका फायदा हर गांव, हर परिवार और हर नागरिक तक पहुंचे।

बच्चों के भविष्य के साथ जुआ नहीं खेला जाए : राहुल गांधी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी की पुनर्परीक्षा से एक दिन पहले शनिवार को आरोप लगाया कि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) बच्चों एवं उनके माता-पिता की धैर्य की परीक्षा ले रही है।

राहुल ने यह भी कहा कि बच्चों के भविष्य के साथ जुआ खेलना बंद होना चाहिए।

राहुल गांधी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में दावा किया कि

नागपुर का एक छात्र पिछले एक महीने से नीट पुनर्परीक्षा की तैयारी कर रहा था। उन्होंने कहा कि परीक्षा से एक दिन पहले जब छात्र ने अपना प्रवेश पत्र डाउनलोड किया तो उसका परीक्षा केंद्र अबू धाबी आवंटित मिला। उन्होंने कहा, न पासपोर्ट, न परिवार के पास विदेश भेजने के पैसे, न अब कोई वक्त बचा है। वह रातभर रोता रहा और परीक्षा देने से ही मना कर रहा है, क्या इस तनाव की कल्पना भी की जा सकती है।'' उन्होंने सवाल किया कि आखिर ऐसा हुआ भी कैसे?

राहुल गांधी ने कहा, कल किसी भी छात्र को सेंटर तक न पहुंच पाने की शिकायत नहीं होनी चाहिए। एनटीए असल में देश के बच्चों और उनके माता-पिता का सिर्फ़ धीरज टेस्ट कर रही है। उनका कहना है कि जो व्यस्था एक बच्चे को अपने ही शहर में एक सेंटर नहीं दे सकती, उल्टा विदेश भेज सकती है, उसे परीक्षा करवाने का कोई हक नहीं।

पूर्वी भारत विकास के रास्ते पर आगे बढ़ रहा है : प्रधानमंत्री मोदी

47,600 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रायरंगपुर (ओडिशा)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पूर्वी भारत कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पिछड़ा बना रहा और अब यह प्रगति तथा विकास के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है।

ओडिशा में मयूरभंज जिले के रायरंगपुर में 47,600 करोड़ रुपए से अधिक की परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करने के बाद मोदी ने एक जनसभा को

संबोधित करते हुए कहा कि राज्य विकास के मार्ग पर तेजी से आगे बढ़ रहा है और कल्याणकारी योजनाएं गरीबों के जीवन में बदलाव ला रही हैं। उन्होंने कहा, ''पूर्वी भारत कांग्रेस के शासनकाल के दौरान पिछड़ा हुआ रहा और अब यह प्रगति तथा विकास के प्रवेश द्वार के रूप में उभर रहा है।''

मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार का नजरिया पूर्वी भारत के विकास के माध्यम से देश का विकास करना है और सरकार 'पूर्वोदय' नीति पर काम कर रही है।

'एपीके' आधारित निवेश धोखाधड़ी रैकेट में बकरा कारोबारी पकड़ा गया

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने अंतर-राज्यीय साइबर धोखाधड़ी गिरोह की मदद करने के आरोप में शनिवार को 27 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसने लाखों रुपए को बकरीद के दौरान बकरे के कारोबार से हुई कमाई बताकर संदिग्ध लेन-देन को सही ठहराने की कोशिश की थी। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि चांदनी महल पुलिस ने मध्य दिल्ली के तुर्कमान गेट इलाके के मुहीद को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि जांचकर्ताओं का एनसीआरपी पर दर्ज कराई गई एक शिकायत से जुड़े संदिग्ध वित्तीय लेन-देन का पता चला था।

धार्मिक मामलों में 'अधर्मियों' को बीच में टांग अड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए : नकवी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

रामपुर (उप्र)/भाषा। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता मुख्तार अब्बास नकवी ने राम मंदिर में चढ़ावे की चोरी के आरोपों और एसआईटी जांच के मुद्दे पर विपक्ष को आड़े हाथों लिया और कहा कि धार्मिक मामलों में ''अधर्मियों को बीच में टांग अड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए''। दो दिवसीय दौरे पर शनिवार को रामपुर पहुंचे नकवी ने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार और मंदिर प्रशासन इस मामले को संवेदनशीलता के साथ देख रहे हैं और 'दूध का दूध, पानी का पानी' होना चाहिए। नकवी ने

'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''इस मामले को लेकर कुछ लोग राजनीतिक पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर सियासी संक्रमण के जरिए दुष्प्रचार और दुराग्रह की धुन में लगे हैं। उन्हें इससे बाज आना चाहिए। उन्होंने भरोसा जताया कि सरकार और मंदिर प्रशासन संवेदनशीलता से जांच कराकर सच्चाई सामने लाएंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए नकवी ने कहा, धार्मिक मामला है तो इस तरह के अधार्मिक लोग इसमें क्यों घुस रहे हैं? 'अधर्मियों' को बीच में टांग अड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के '500 साल लगे हैं, 15 दिन और सही' वाले बयान पर नकवी ने कहा,आगे जो भी होगा, सही होगा। इसमें किसी को संदेह नहीं करना चाहिए और भ्रम फैलाने की जरूरत नहीं है।''

'महिलाओं की भागीदारी के बिना 'विकसित भारत' का लक्ष्य संभव नहीं'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को कहा कि महिलाएं भारत की विकास यात्रा की केवल भागीदार नहीं, बल्कि देश के भविष्य की वास्तविक निर्माता हैं। उन्होंने यहां यशोभूमि में आयोजित पांचवें नेशनल रियल एस्टेट डेवलपमेंट काउंसिल (नारेडको) माही रियल एस्टेट सम्मेलन 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य महिलाओं की पूर्ण भागीदारी, नेतृत्व और आर्थिक योगदान के बिना संभव नहीं है।

'प्रभाव से प्रेरणा तक' विषय पर आयोजित सम्मेलन में रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी और नेतृत्व को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया।

मांडविया ने कहा कि नारेडको माही जैसी पहल अब केवल चर्चा तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक प्रभावशाली आंदोलन का रूप ले चुकी हैं, जो महिला पेशेवरों, उद्यमियों और परिवर्तनकर्ताओं के लिए मंच उपलब्ध करा रही हैं। उन्होंने कहा, महिलाएं भारत की वृद्धि गाथा की केवल भागीदार नहीं हैं, बल्कि इसकी निर्माता हैं। विकसित भारत 2047 की यात्रा महिलाओं की सक्रिय भागीदारी, नेतृत्व और आर्थिक योगदान के बिना पूरी नहीं हो सकती। जब महिलाएं नेतृत्व करती हैं, तो उद्योग विकसित होते हैं, समाज समृद्ध होता है और राष्ट्र आगे बढ़ता है।

मंत्री ने कहा कि सम्मेलन का विषय महिलाओं के लिए अवसरों के विस्तार और पारंपरिक धारणाओं को तोड़ने की आवश्यकता को दर्शाता है।

सम्मेलन में पूर्व केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने सभा को संबोधित करते हुए महिला सशक्तीकरण के महत्व और रियल एस्टेट क्षेत्र में महिलाओं की अधिक भागीदारी की आवश्यकता का विस्तार से उल्लेख किया।

तेहरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य फिर बंद किया

तायर (लेबनान)/एपी। लेबनान में इज़राइल के हमले जारी रहने से नाराज ईरान ने शनिवार को होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद करने की घोषणा की और यह भी कहा कि हालांकि उसके वार्ताकार बातचीत के लिए स्विट्ज़रलैंड जा रहे हैं, लेकिन वहां से ज़्यादा कुछ हासिल होने की उम्मीद नहीं है। इस बीच, प्रमुख मध्यस्थ पाकिस्तान ने कहा कि तकनीकी स्तर की बातचीत रविवार को स्विट्जरलैंड के बर्गेनस्टॉक में शुरू होगी, जिसमें कतर के मध्यस्थ भी शामिल होंगे। ईरान की संयुक्त सैन्य कमान ने कहा कि होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से बंद कर दिया गया है। इसने कहा कि यह कदम लेबनान में इज़राइल के हमले जारी रहने और अमेरिका की ''बदनीयती'' व युद्ध खत्म करने संबंधी वादों के स्पष्ट उल्लंघन की वजह से उठाया गया है। सरकारी टेलीविज़न पर दिए गए बयान में यह चेतावनी भी दी गई कि ''अगर आक्रामकता जारी रहती है, तो आगे के कदम उठाने की योजना बना ली गई है।'' इस हफ़्ते की शुरुआत में अमेरिका और ईरान के बीच अंतरिम समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद जहाज़ों ने जलडमरूमध्य से गुजरना शुरू कर दिया था।

मनोहर लाल ने 2,935 करोड़ रुपए की लागत वाले इंदौर-उज्जैन गलियारे की नींव रखी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इंदौर (मध्यप्रदेश)/भाषा। केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को लगभग 2,935 करोड़ रुपए की लागत से बनने वाले इंदौर-उज्जैन गलियारे की नींव रखी। उन्होंने कहा कि चार लेन वाली इस 48 किलोमीटर लंबी सड़क से राज्य के दोनों प्रमुख शहरों के बीच संपर्क बेहतर होगा और विकास को गति मिलेगी।

मनोहर लाल ने इंदौर जिले के सांवेर क्षेत्र में आयोजित भूमिपूजन समारोह में कहा, ''इंदौर-उज्जैन ग्रीनफील्ड कॉरिडोर से दोनों शहरों के बीच की दूरी कम होगी और उनका रिश्ता और प्रगाढ़ होगा।'' केंद्रीय मंत्री ने बताया कि इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश को केंद्र सरकार की ओर से अलग-अलग क्षेत्रों में कुल 5,657 करोड़ रुपए की मदद भी दी गई जिसमें लाभार्थियों को आवास और स्वरोजगार के लिए प्रदान की गई राशि शामिल है। मनोहर लाल ने सरकार की विभिन्न योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के तौर पर नरेन्द्र मोदी के पिछले 12 वर्षों के रिकॉर्ड कार्यकाल में देश में आधारभूत ढांचे, जन कल्याण, गरीबी उन्मूलन और अन्य क्षेत्रों में व्यापक परिवर्तन हुए हैं। उन्होंने कहा कि विभिन्न अंतरराष्ट्रीय अध्ययनों के अनुसार इस अवधि में देश के 25 करोड़ लोग गरीबी रेखा से बाहर आए हैं। भूमिपूजन समारोह में मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा कि इंदौर-उज्जैन 'ग्रीनफील्ड कॉरिडोर' से राज्य में विकास की रफ्तार तेज होगी। यादव ने कहा कि यह गलियारा इंदौर-पीथमपुर आर्थिक गलियारे और दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे तक पहुंच के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध कराएगा जिससे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। अधिकारियों ने बताया कि 48 किलोमीटर लंबा इंदौर-उज्जैन गलियारा, इंदौर के पितृ पर्वत क्षेत्र से शुरू होकर उज्जैन के चिंतामण गणेश मंदिर के पास सिंहस्थ बायपास तक पहुंचेगा। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से 2028 के दौरान उज्जैन में लगने वाले सिंहस्थ कुंभ मेले में आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। सिंहस्थ कुंभ मेला भगवान शिव के महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग वाली धार्मिक नगरी उज्जैन में हर 12 साल में क्षिप्रा नदी के तट पर लगता है।

'कोयला से गैस बनाने की परियोजना भारत की अमोनियम नाइट्रेट की 35% जरूरतें पूरी करेगी'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ओडिशा में 25,016 करोड़ रुपए की लागत वाली कोयले से गैस बनाने की परियोजना से 2030 तक देश की अनुमानित अमोनियम नाइट्रेट की मांग का लगभग 35 प्रतिशत पूरा होने की उम्मीद है। उद्योग विशेषज्ञों ने शनिवार को यह कहा।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को संयुक्त रूप से ओडिशा के झारसुगुडा जिले के लखनपुर में भारत कोल गैसीफिकेशन एंड केमिकल्स लि. (बीसीजीसीएल) परियोजना की आधारशिला रखी।

विशेषज्ञों ने कहा कि एक बार चालू होने के बाद, यह संयंत्र सालाना लगभग 6.6 लाख टन आयात कम करेगा और हर साल 36 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा की बचत करेगा।

उद्योग ने कहा कि परियोजना की परिचालन अवधि के दौरान आयात में कमी से कुल बचत नौ अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक हो सकती है।

परियोजना का विकास बंगाल कोल एंड गैसीफिकेशन कंपनी लि. कर रही है। यह कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) और कोल इंडिया लि. की एक संयुक्त उद्यम इकाई है। इस परियोजना में स्थानीय रूप से उपलब्ध कोयले को सिंथेसिस गैस में बदलने के लिए स्वदेशी कोल गैसीफिकेशन तकनीक का उपयोग किया जाएगा। इसे बाद में अमोनियम नाइट्रेट में प्रसंस्करण किया जाएगा, जो उर्वरक और औद्योगिक विस्फोटकों के लिए एक महत्वपूर्ण कच्चा माल है।

न्यू एरा क्लीनटेक सॉल्यूशन प्राइवेट लि. के संस्थापक और प्रबंध निदेशक बालासाहेब दराडे ने कहा, ''आज बीसीजीसीएल कोयले से अमोनियम नाइट्रेट बनाने की परियोजना की आधारशिला रखना भारत के औद्योगिक विकास में एक निर्णायक क्षण है। यह केवल अमोनियम नाइट्रेट कारखाने का उद्घाटन नहीं है बल्कि यह एक कोयले से रसायन तैयार करने के परिवेश का उदय है। यह बताता है कि कैसे भारत के प्रचुर कोयला संसाधनों को रणनीतिक औद्योगिक उत्पादों में बदला जा सकता है।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री इस बात को पहचानने के लिए श्रेय के पात्र हैं कि 21वीं सदी में वास्तविक ऊर्जा सुरक्षा ईंधन से आगे बढ़कर रणनीतिक अणुओं (मॉलिक्यूल्स) तक फैली हुई है। उनकी सोच ने राष्ट्रीय परिचर्चा को 'खदानों और मेगावाट' से बदलकर 'अणुओं और विनिर्माण' तक पहुंचा दिया है।

सहज स्मृति योग

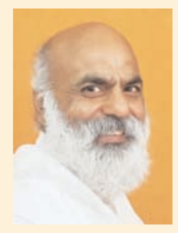

व्यक्ति के मन में जो आध्यात्मिक प्रश्न उठते हैं उनका इस स्तंभ में समाधान प्रस्तुत करने का काम कर रहे हैं गुरुजी श्री नंदकिशोर तिवारी। व्यक्ति की पृष्ठभूमि चाहे किसी भी मत, सम्प्रदाय, मज़हब से हो, सहज स्मृति योग का सरोकार मनुष्य के मात्र आत्मवान होने से है। इसलिए सहज स्मृति योग का ध्यान केवल जिज्ञासु के समाधान पर रहता है। आप भी अपनी जिज्ञासाएं guruji@darpanfoundation.com पर ईमेल या व्हाटस अप (9902912396) द्वारा भेज सकते हैं।

प्रश्न: गुरु जी, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ स्वीकार करें। मैंने आपसे एक सत्संग में यह सुना था कि, जब हम अज्ञान से ग्रसित होते हैं तो हमारा सनातन अस्तित्व हमारा कंपल्शन बन जाता है और जब हम ज्ञान से प्रकाशित होते हैं तो हमारा वही एक मात्र सनातन अस्तित्व ही हमें एक अनंत आनंदित करने वाला तात्विक सत्य लगता है। मेरा प्रश्न यह है कि हम अस्तित्व में रहें ही क्यों ? या रहते ही क्यों हैं ? हमारे अस्तित्व में होने का या अस्तित्व का क्या उद्देश्य है ? योग क्या है ?

उत्तर: आप अस्तित्व में मूलतः इसीलिए हैं या अस्तित्व इसलिए रहे क्योंकि, आपके अस्तित्व में नहीं होने पर या अस्तित्व के नहीं रहने पर आप अपने होने का या रहने का अनुभव प्राप्त नहीं कर सकते। कोई प्रश्न नहीं पूछ सकते, कोई उत्तर नहीं पा सकते। जबकि, आपके अस्तित्व में होने पर या अस्तित्व के आप में होने पर आप ध्यानस्थ या समाधिस्थ या प्रयलस्थ होकर, अपने नहीं होने की अनुभूति को भी प्राप्त हो सकते हैं और, ध्यान /समाधि/प्रलय से बाहर आकर आप अपने होने का अनुभव भी कर सकते हैं। आपका अस्तित्व आपके किसी भी उद्देश्य से पहले का है, और अस्तित्व का उद्देश्य तो स्वयं अस्तित्व ही है, कोई या कुछ अन्य नहीं।

शुद्ध अस्तित्व में द्वैत सम्भव नहीं है इसलिए वहाँ उस अवस्था में समस्याएं या प्रश्न नहीं उठते हैं वहाँ समाधान ही समाधान है। इसलिए उत्तर की आवश्यकता नहीं पड़ती। और समाधि की उस अवस्था से नीचे द्वैत(संसार) में आने पर प्रश्न ही प्रश्न उठते हैं जिनके कोई भी उत्तर मिलें वह उत्तर कुछ अवधि तक के लिए ही संतोष देते हैं।शान्ति देते हैं सदा के लिए नहीं। आप हर बार मिले उत्तर में अपने अस्तित्व का कोई नया उद्देश्य समझ सकते हैं या बारम्बार किसी बहुमान्य उद्देश्य जैसे, मोक्ष या परमार्थ पर वापस आते रह सकते हैं। यही लीला है। पर, आपकी यात्रा तो रहेगी ही रहेगी जिज्ञासा तो रहेगी ही रहेगी। क्योंकि, द्वैत -ब्रह्म है।अर्थात् वहाँ गति है।कृति है।विकृति है।प्रकृति है। चलना ही उसका सत्य है।स्वभाव है। धर्म है। जिस क्षण यह स्पष्ट होता है कि केवल अस्तित्व ही है आप नहीं हैं वह क्षण सनातन हो जाता है, जीवत्व, शिवत्व में लीन हो जाता है, यही योग है।

कांग्रेस ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा पर थरूर की आलोचना की, सांसद ने दी सफाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ बातचीत की पृष्ठभूमि में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ करने को लेकर शनिवार को अपने नेता शशि थरूर की आलोचना की और कहा कि पार्टी सांसद द्वारा प्रधानमंत्री के लिए प्रशंसा अब मानो भौतिक दुनिया की सीमाओं से भी आगे निकल गई है। पार्टी के मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यह कटाक्ष भी किया कि अब वे शायद वह भी सुन सकते हैं, जो प्रधानमंत्री मोदी ने कहा ही नहीं।

थरूर ने इस पर सफाई देते हुए कहा कि उनका बयान भारतीय नाविकों की सुरक्षा से जुड़ा था, लेकिन इसे दलगत विवाद में बदल दिया गया। दरअसल, शशि थरूर ने एक बयान में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप को भारत की चिंताओं से अवगत कराया और इस बात को मजबूती से रखा कि युद्ध के समय वाणिज्यिक नाविकों को निशाना नहीं बनाया जाना चाहिए। खेड़ा ने एक्स पर पोस्ट किया, मेरे वरिष्ठ सहयोगी डॉ. शशि थरूर की प्रधानमंत्री मोदी के प्रति प्रशंसा अब मानो भौतिक दुनिया की सीमाओं से भी आगे निकल गई है। अब वह शायद उसे भी सुन सकते हैं, जो मोदी ने कहा ही नहीं। उन्होंने कहा, जी-7 शिखर सम्मेलन के दौरान मोदीट्रंप बैठक पर भारतीय विदेश मंत्रालय की आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, ओमान की खाड़ी में अमेरिका द्वारा तीन भारतीय नाविकों की निर्मम हत्या का कोई उल्लेख नहीं है। खेड़ा का कहना है कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद यह मोदीट्रंप की पहली मुलाकात थी, फिर भी कहीं यह संकेत नहीं मिलता कि प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप के उस बार-बार दोहराए गए दावे का प्रतिवाद किया कि उन्होंने भारत को व्यापार की धमकी देकर युद्धविराम कराया।

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री ने 47 लाख किसानों को 3,000 करोड़ रु. से अधिक की राशि वितरित की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पलनाडु /भाषा। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने शनिवार को पलनाडु जिले के लिगमगन्टला में प्रधानमंत्री किसान अन्नदाता सुखीभव कल्याण योजना के तहत राज्यभर के किसानों को 3,000 करोड़ रुपए से अधिक की राशि का वितरण किया। अन्नदाता सुखीभव योजना तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार का चुनावी वादा है, जिसके तहत पात्र किसानों को प्रतिवर्ष 20,000 रुपए की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, मुख्यमंत्री ने वर्ष 2026 के खरीफ मौसम के लिए 46.85 लाख किसानों के खातों में यह राशि जारी की। पहली किस्त के तहत प्रति किसान 7,000 रुपए की दर से कुल 3,125 करोड़ रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में जमा किए गए। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने तेल पाम मिशन, अपशिष्ट से ऊर्जा संयंत्र, तिलहन एवं अन्य कृषि-संबंधी प्रदर्शनों का अवलोकन भी किया।

कश्मीर: सामान्य मरीजों के दिल की भी सर्जरी, चिकित्सक निलंबित

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग सरकारी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में बड़े पैमाने पर प्रक्रियागत अनियमितताओं के आरोपों की जांच में खुलासा हुआ कि जिन मरीजों के दिल की सर्जरी की गई, उनमें से लगभग 50 प्रतिशत लोगों को वास्तव में इसकी जरूरत ही नहीं थी। इस खुलासे के बाद शनिवार को चिकित्सक को निलंबित कर दिया गया। जम्मू-कश्मीर के स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग ने बताया कि जांच में फर्जी बीमा दावे, मरीजों का शोषण और स्वस्थ मरीजों की अनावश्यक सर्जरी किए जाने के मामले सामने आए हैं।

विभाग ने अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. सैयद मकबूल का नाम लेते हुए उन पर बड़े पैमाने पर प्रक्रियागत अनियमितताओं और आधिकारिक चिकित्सा रिकॉर्ड में हेरफेर करने के आरोप लगाए हैं। यह मामला कथित पेसमेकर घोटाले से जुड़ा है, जिसमें 103 हृदय रोगी शामिल हैं। विशेषज्ञों की जांच में पाया गया कि जिन 55 मरीजों का पेसमेकर लगाया गया था, उनमें से 27 का हृदय सामान्य था और उन्हें पेसमेकर लगाने का कोई चिकित्सीय औचित्य नहीं था।

महाराष्ट्र: परभणी जिले में मंदिर की छत का एक हिस्सा गिरने से पांच लोगों की मौत, कई घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

छत्रपति संभाजीनगर/भाषा। महाराष्ट्र में परभणी जिले के यशवाड़ी गांव में शनिवार दोपहर हनुमान मंदिर की छत का एक हिस्सा गिर गया। इस हादसे में कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोग घायल हैं।

पुलिस के एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परभणी हादसे में हुई मौतों पर दुख जताया। छत्रपति संभाजीनगर से करीब 190 किलोमीटर दूर यशवाड़ी गांव मानवत मार्ग पर स्थित है। एक अधिकारी ने बताया, मंदिर के सभा-मंडप (बाहरी हॉल) की छत का हिस्सा अपरा साढ़े तीन बजे गिर गया। उन्होंने बताया कि पांच लोगों की मौत की पुष्टि हुई है और अब तक लगभग 25 लोगों को बचाया गया है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि शनिवार के कारण मंदिर में भक्तों की भीड़ थी। वहीं, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने परभणी में हुई घटना पर दुख जताया।

प्रधानमंत्री ने 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, ''महाराष्ट्र के परभणी में दीवार ढहने की घटना में हुई जनहानि अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपने प्रियजनों को खोने वाले परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। मैं घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भक्तों की मौत पर दुख जताया और कहा कि घायलों का इलाज किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री कार्यालय ने घोषणा की कि मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी।

जम्मू-कश्मीर के गांदरबल में 'नारानाग' पर्यटन स्थल 14 महीने बाद फिर से खुला

श्रीनगर/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा ने गांदरबल जिले में स्थित पर्यटन स्थल 'नारानाग' को फिर से खोलने का आदेश दिया। पिछले साल पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इसे बंद कर दिया गया था और यह लगभग 14 महीने तक बंद रहा। मध्य कश्मीर के इस जिले में स्थित इस लोकप्रिय पर्यटन स्थल पर भगवान शिव को समर्पित आठवीं सदी का नारानाग मंदिर भी है। उप-राज्यपाल ने पोस्ट में कहा, ''सुरक्षा की पूरी समीक्षा के बाद गांदरबल में नारानाग मंदिर को श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खोलने का फैसला किया गया है।'' पिछले साल अप्रैल में दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में स्थित बैसरण में हुए घातक आतंकी हमले में 26 लोगों (जिनमें अधिकतर पर्यटक थे) की मौत के बाद कई पर्यटन स्थलों को बंद कर दिया गया था।

'राजग सरकार पाकिस्तान को एफएटीएफ की 'ग्रे लिस्ट' में फिर डलवाने का प्रयास करे'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हैदराबाद/भाषा। एआईएमआईएम के अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली राजग सरकार से मांग की कि वह पाकिस्तान को दोबारा एफएटीएफ की ''ग्रे लिस्ट'' में डलवाने का प्रयास करे।

हैदराबाद के सांसद ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''विवेक अग्रवाल एफएटीएफ के उपाध्यक्ष चुने जाने वाले पहले भारतीय हैं। नरेन्द्र मोदी नीत सरकार को पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में दुबारा डलवाने का काम करना चाहिए।'' ओवैसी ने कहा कि 'द रेजिस्टेंस फोर्स' (टीआरएफ) को लेकर अमेरिका की सूची का ''कोई खास फायदा नहीं'' है। उन्होंने कहा, ''टीआरएफ को संयुक्त राष्ट्र की सूची में शामिल करने की ज़रूरत है। मोदी सरकार को आईएसआई को भी सूची में शामिल करवाने की कोशिश करनी चाहिए थी और ज़रूर करनी चाहिए; हमें नवंबर 2025 में लालकिले पर हुए आत्मघाती धमाके को याद रखना चाहिए।'' इससे पहले, अमेरिका ने लश्कर-ए-तैयबा के मुखौटा संगठन टीआरएफ को वैश्विक आतंकवादी संगठन घोषित किया था, जिसने पहलगाम आतंकी हमले की ज़िम्मेदारी ली थी। शुक्रवार को भारत को पहली बार वित्तीय कार्रवाई कार्यबल (एफएटीएफ) की उपाध्यक्षता मिली। यह एक वैश्विक संस्था है, जो धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण से निपटने के लिए मानक तय करती है। भारत 2010 से इस प्रभावशाली अंतरराष्ट्रीय संस्था का सदस्य रहा है। पेरिस में संगठन के मुख्यालय में हुई पूर्ण बैठक के समापन पर, केंद्रीय संस्कृति सचिव विवेक अग्रवाल को संगठन का उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया। जो देश धनशोधन और आतंकवाद के वित्तपोषण को रोकने के लिए अपनी व्यवस्था में मौजूद रणनीतिक कमियों को दूर करने में विफल रहते हैं और जिनकी कड़ी निगरानी की जाती है, उन्हें एफएटीएफ की ग्रे लिस्ट में डाल दिया जाता है।

फ्लिपकार्ट ने ऑनलाइन बाजार में बढ़ाई बढ़त, मिंत्रा की फैशन खंड में स्थिति मजबूत : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। ई-कॉमर्स क्षेत्र की प्रमुख कंपनी फ्लिपकार्ट ग्रुप ने देश के ऑनलाइन बाजार में अपनी बढ़त को और मजबूत कर लिया है। इसके साथ ही समूह ने अपनी सहयोगी कंपनी मिंत्रा के जरिए ऑनलाइन फैशन क्षेत्र में भी अपनी स्थिति और सुदृढ़ की है। यह जानकारी बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज की एक रिपोर्ट में दी गई है।

रिपोर्ट के अनुसार, इंटरनेट क्षेत्र में बढ़ती कड़ी प्रतिस्पर्धा के बावजूद उपभोक्ताओं की मजबूत मांग के कारण फ्लिपकार्ट अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। ब्रोकरेज कंपनी 'बोफा' ने सेंसर टावर के दैनिक सक्रिय उपयोगकर्ता (डीएयू) आंकड़ों और उद्योग विश्लेषण का हवाला देते हुए कहा कि जून 2026 तक उपयोगकर्ता सहभागिता के मामले में फ्लिपकार्ट प्रमुख ई-कॉमर्स मंच बनी रही। वहीं, फैशन खंड में मिंत्रा ने अपने प्रतिद्वंद्वी मंचों पर स्पष्ट बढ़त हासिल कर ली है।

पुलिस ने प्रदर्शन की अनुमति बढ़ाने से किया इनकार, दीपके ने कहा- प्रधान के इस्तीफे तक डटे रहेंगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली पुलिस ने कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) को जंतर-मंतर पर उसका विरोध-प्रदर्शन जारी रखने की अनुमति देने से मना कर दिया है, जबकि पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके का कहना है कि जब तक शिक्षा मंत्री इस्तीफा नहीं देते, वे उस जगह पर डटे रहेंगे।

पुलिस ने कॉजपा समर्थकों से प्रदर्शन स्थल खाली करने को कहा है, जहां बड़ी संख्या में छात्र और अन्य लोग कथित परीक्षा अनियमितताओं, बार-बार प्रश्नपत्र लीक होने और सरकार से जवाबदेही की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं।

इससे पहले दीपके ने समर्थकों से आज शाम छह बजे जंतर-मंतर पहुंचकर जारी प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की थी और विश्वास जताया था कि पुलिस प्रदर्शन की अनुमति की अवधि बढ़ा देगी। दीपके ने कहा, ''मैं अधिकारियों से अनुरोध करता हूं कि देशभर से युवा यहां आए हैं। वे न्याय मिलने तक यहीं बैठे रहना चाहते हैं। मैं दिल्ली पुलिस से प्रदर्शन के लिए अनुमति बढ़ाने का अनुरोध करता हूं। यह प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा है।'' युवा नेता ने यह भी कहा कि बातचीत का रास्ता खुला है, लेकिन ''एकमात्र शर्त यह है कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।'' उन्होंने दिल्ली पुलिस से ''केंद्र सरकार के साथ संवाद स्थापित करने'' का आग्रह करते हुए कहा, ''यदि गिरफ्तारियां होती हैं तो सबसे पहले मैं गिरफ्तारी दूंगा।'' इससे पहले दिन में भारी पुलिस बल की तैनाती के बीच प्रदर्शन शुरू हुआ। इस दौरान छात्रों ने नारेबाजी की और कथित तौर पर पारदर्शी परीक्षाएं सुनिश्चित करने तथा अभ्यर्थियों के हितों की रक्षा करने में विफलताओं को लेकर सरकार से जवाब मांगते हुए पोस्टर प्रदर्शित किए। कॉजपा के संस्थापक अभिजीत दीपके के आह्वान पर समर्थक थाली और चम्मच लेकर प्रदर्शन में शामिल हुए। इस दौरान प्रदर्शनकारी थाली और चम्मच बजाते रहे। प्रदर्शनकारियों ने ''धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दो'' के नारे भी लगाए और परीक्षा प्रबंधन से जुड़े मुद्दों पर जवाबदेही की अपनी मांग दोहराई। दीपके के प्रदर्शन स्थल पर पहुंचने पर भीड़ ने उनका जोरदार स्वागत किया। उन्होंने कहा कि वे छात्रों के सामने आने वाली समस्याओं का समाधान चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''हम यहां छात्रों की समस्याओं का समाधान करने आए हैं।'' नाम न छापने की शर्त पर लोकनीति के क्षेत्र से जुड़े एक युवा पेशेवर ने कहा कि ऐसे आंदोलनों में शामिल होना महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा, ''किसी को ठीक-ठीक नहीं पता कि यह आंदोलन किस दिशा में आगे जाएगा। इसकी शुरुआत किसी संगठित मंच से नहीं, बल्कि सोशल मीडिया से हुई थी। यह स्वाभाविक था, इसलिए लोग इससे जुड़ पाए।''

इस भावना से सहमति जताते हुए कई प्रतिभागियों ने स्वीकार किया कि उन्हें आंदोलन की भविष्य की दिशा को लेकर निश्चित जानकारी नहीं है। हालांकि उनका कहना था कि वे इसमें इसलिए शामिल हुए क्योंकि किसी न किसी रूप में सामूहिक लामबंदी आवश्यक हो गई थी।

नीट पुनर्परीक्षा : नागपुर के छात्र को मिला अबू धाबी का केंद्र, एनटीए का दावा- छात्र ने खुद चुना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नागपुर/भाषा। पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) की 21 जून को होने वाली पुनर्परीक्षा में शामिल हो रहे एक स्थानीय विद्यार्थी के परिवार ने दावा किया कि उम्मीदवार को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अबू धाबी में परीक्षा केंद्र आवंटित किया गया था, जबकि राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने कहा कि उम्मीदवार ने खुद उस परीक्षा केंद्र का चयन किया था, लेकिन अब उसके अनुरोध पर नागपुर में केंद्र दे दिया गया है।

एनटीए ने अपना पक्ष रखते हुए कहा कि उम्मीदवार ने अपने लॉगिन विवरण का उपयोग करके परीक्षा केंद्र बदलकर अबू धाबी किया था। छात्र, अब्दुल्ला तालिब के पिता डॉ. मोहम्मद तालिब ने बताया कि उनके बेटे ने परीक्षा के लिए नागपुर, वर्धा और भंडारा केंद्रों को प्राथमिकता दी थी। उन्होंने कहा, ''कल जब हमने परीक्षा कार्ड डाउनलोड किया, तो यूएई के अबू धाबी में परीक्षा केंद्र आवंटित देखकर हम हैरान रह गए। इसके बाद, हमने इसके बारे में एनटीए के पास एक शिकायत दर्ज कराई, जिसने हमें आश्वासन दिया कि शनिवार शाम चार बजे तक सुधार कर दिया जाएगा।'' एनटीए ने शनिवार अपरा को नागपुर को पुनर्परीक्षा केंद्र आवंटित किए जाने के बाद उम्मीदवार को नया परीक्षा प्रवेश-पत्र जारी किया। तालिब ने कहा, ''हम तनाव में थे और बहुत दबाव महसूस कर रहे थे, लेकिन अब हमें राहत मिली है।''

जब तालिब से एनटीए के इस दावे के बारे में पूछा गया कि उम्मीदवार ने खुद अबू धाबी सेंटर चुना था, तो उन्होंने कहा, ''हमें नहीं पता कि यह कैसे चुना गया। हमने नागपुर, वर्धा और भंडारा चुना था... अब, तनाव और इस गड़बड़ी की वजह से हमारा बेटा परीक्षा देने को तैयार नहीं है, लेकिन हम उसे पुनर्परीक्षा में शामिल होने के लिए राजी करने की कोशिश कर रहे हैं।'' एनटीए ने इस मामले पर अपना पक्ष साफ करने के लिए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' का सहारा लिया। उसने कहा, ''एनटीए के 'वेब-एक्टिविटी' रिकॉर्ड से पता चलता है कि इस मामले में शहर बदलने का काम उम्मीदवार के अपने पंजीकृत लॉगिन के जरिये, 'ओपन करेक्शन विंडो' के दौरान किया गया था।'' अबू धाबी केंद्र चुनने के बावजूद एनटीए को 19 जून की शाम (परीक्षा से ठीक 48 घंटे पहले) केंद्र बदलकर नागपुर करने का एक अनौपचारिक अनुरोध मिला। एनटीए ने बताया कि उसके कर्मचारियों ने तुरंत बदलाव की प्रक्रिया शुरू कर दी और 19 तारीख की शाम को ही उम्मीदवार के पिता से संपर्क किया।

तमिलनाडु विपणन निगम मामला

न्यायालय ने ईडी छापेमारी के खिलाफ कारोबारी की याचिका खारिज की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/चेन्नई। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु राज्य विपणन निगम (टीएएसएमएसी) से जुड़े कथित धनशोधन मामले में एक कारोबारी के आवास पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा की गई छापेमारी की वैधता को चुनौती देने वाली याचिका खारिज कर दी है। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस आदेश को बरकरार रखा, जिसने ईडी की छापेमारी की कानूनी वैधता की पड़ताल से इनकार कर दिया था।

शीर्ष अदालत पी. आर. राजेश कुमार की उस याचिका की सुनवाई कर रही थी, जिसमें उन्होंने पिछले साल 16, 17 और 18 मई को उनके आवास पर प्रवर्तन निदेशालय द्वारा की गई छापेमारी और जब्ती की कार्यवाही को रद्द करने की मांग की थी। मद्रास उच्च न्यायालय ने 10 दिसंबर, 2025 को कुमार की याचिका यह कहते हुए खारिज कर दी थी कि इस चरण में तलाशी की कार्यवाही की वैधता की पड़ताल करना अनावश्यक था। ईडी का धनशोधन का यह मामला राज्य द्वारा संचालित शराब निगम टीएएसएमएसी में कथित भ्रष्टाचार के संबंध में तमिलनाडु सतर्कता और भ्रष्टाचार-रोधी निदेशालय द्वारा दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है।

फिल्म निर्देशक आर वी उदयकुमार, अन्नाद्रमुक के पूर्व मंत्री सत्तारूढ़ टीवीके में शामिल हुए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

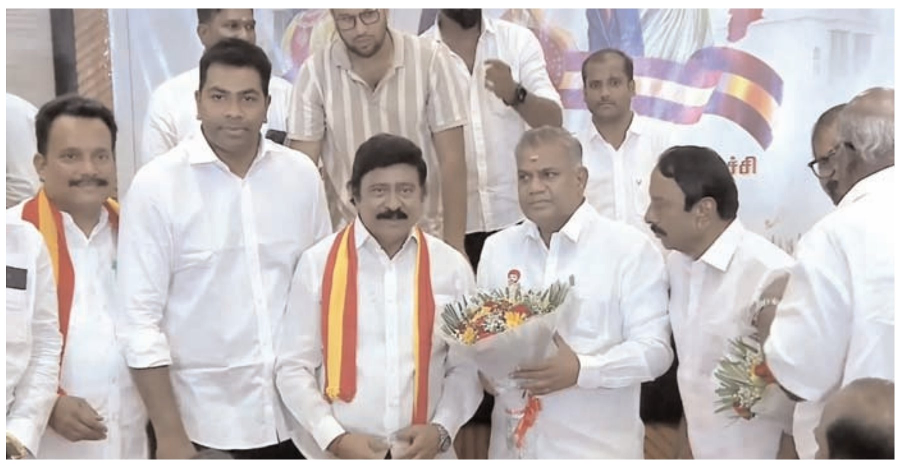

चेन्नई। फिल्म निर्देशक आर वी उदयकुमार और ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) की पूर्व मंत्री गोमती श्रीनिवासन सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के कई पदाधिकारी शनिवार को यहां तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) में शामिल हो गए। अन्नाद्रमुक में करीब 25 साल तक रहे उदयकुमार ने 16 जून को पार्टी से इस्तीफा दे दिया था। वर्ष 1990 के दशक में मुख्यधारा के व्यावसायिक सिनेमा में अहम भूमिका निभाने वाले उदयकुमार ने 'चिन्ना गौंडर', 'यजमान', 'सिंगारवेलन' और 'किझक्कू वासल' जैसी कई सुपरहिट फिल्में दी हैं। वह अन्नाद्रमुक के कला प्रकोष्ठ के अध्यक्ष थे।

तमिलनाडु के इस बड़े राजनीतिक घटनाक्रम में टीवीके का दामन थामने वाले अन्य प्रमुख चेहरों में गोमती श्रीनिवासन शामिल हैं, जिन्होंने पूर्व में एमजीआर के मंत्रिमंडल में कार्य किया था। इसके अलावा तिरुवैयारु के पूर्व विधायक एम जी एम सुब्रमणियन, 'तमिलनाडु पॉटर्स एंड अनऑर्गनाइज्ड वर्कर्स यूनियन' के प्रदेश अध्यक्ष सेमा नारायणन और पूर्व में टीवीके से जुड़े रहे नेता जगन्नाथ मिश्रा भी पार्टी में शामिल हुए हैं। पार्टी नेताओं के मुताबिक, अन्नाद्रमुक साहित्य प्रकोष्ठ के प्रदेश उप सचिव आई.सी. सेकर तथा 2021 के विधानसभा चुनाव में नाथम सीट से चुनाव लड़ चुके अम्मा मक्कल मुनेत्र कषगम (एएमएमके) के ए.एन. राजा भी टीवीके से जुड़ गए हैं। इन सभी प्रमुख नेताओं ने पार्टी के महासचिव बुस्सी' एन. आनंद, आधव अर्जुन तथा अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों की मौजूदगी में टीवीके की सदस्यता ग्रहण की।

तमिलनाडु सरकार ने मंदिर कोष से पूरी की जाने वाली 246 करोड़ रुपये की 46 परियोजनाएं रद्द कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) सरकार ने मंदिरों के कोष से पूरी की जाने वाली 246 करोड़ रुपये की पिछली द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) सरकार की परियोजनाएं रद्द कर दी हैं। एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि इस कदम से तमिलनाडु हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग के नियंत्रण वाले मंदिरों को वित्तीय संकट में जाने से बचाने में भी मदद मिलेगी। एक सूत्र ने बताया कि अब तक प्रमुख प्राचीन मंदिरों से होने वाली आय का इस्तेमाल वंचित वर्गों के लोगों के विवाह कराने, विवाह भवनों और बड़े व्यावसायिक परिसरों के निर्माण जैसी सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लिए किया जाता था जबकि मंदिर पट्टे पर दी गई अपनी जमीन और दुकानों को वापस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे थे।

'हिंदू मुन्नानी' जैसे हिंदू संगठन मंदिरों के कोष का व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए इस्तेमाल किए जाने और सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के लिए धन हस्तांतरित किए जाने का विरोध करते रहे हैं। टीवीके के नेतृत्व वाली सरकार के सत्ता संभालने के बाद हिंदू धार्मिक एवं धर्मार्थ बंदोबस्ती विभाग ने मंदिरों के कोष से 29 विवाह भवन और 17 व्यावसायिक परिसर बनाने के लिए पिछली द्रमुक सरकार द्वारा दी गई प्रशासनिक मंजूरी 19 जून को रद्द कर दी। कुल 246 करोड़ रुपये की इन 46 परियोजनाओं की घोषणा तो की गई थी लेकिन इन पर काम शुरू नहीं हुआ था। एक अधिकारी ने कहा कि इस धन का इस्तेमाल मंदिरों और श्रद्धालुओं के हित में किया जाएगा।

मादक पदार्थ विरोधी अभियान

चेन्निथला ने प्रमुख इस्लामी विद्वानों को 'तूफ़ान योद्धा' नाम दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोझिकोड। केरल के गृह मंत्री रमेश चेन्निथला ने शनिवार को राज्य के मादक पदार्थ विरोधी अभियान के तहत प्रमुख इस्लामी विद्वानों सैय्यद मुहम्मद जिफरी मुथुक्कोया थंगल और कंथापुरम ए पी अबूबकर मुसलियार को 'तूफान योद्धा' घोषित किया। थंगल समस्त केरल जेम-इयाथुल उलेमा' के अध्यक्ष हैं। मुसलियार केरल के एक अन्य प्रमुख धार्मिक विद्वान हैं और उन्हें शेख अबुबकर अहमद के नाम से भी जाना जाता है, वह व्यापक रूप से भारत के ग्रैंड मुफ्ती के रूप में पहचाने जाते हैं।

'ऑपरेशन तूफ़ान' केरल में मादक पदार्थों की समस्या को रोकने के लिए यूडीएफ सरकार द्वारा शुरू किया गया एक अभियान है। इस अभियान के तहत, पुलिस स्वयंसेवकों और जानी-मानी हस्तियों को 'तूफ़ान वॉरियर्स' के तौर पर शामिल करके लोगों की भागीदारी को बढ़ावा दे रही है। गृह मंत्री यहां दोनों धार्मिक नेताओं के आवासों पर गए और उन्हें 'तूफ़ान वॉरियर' बैज भेंट किए। मुलाकातों के बाद पत्रकारों से बातचीत में चेन्निथला ने कहा कि ये दौरे मादक पदार्थों के खिलाफ़ प्रभावशाली हस्तियों का समर्थन जुटाने की कोशिशों का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा, ''हमारी मादक पदार्थों के खिलाफ़ अभियान में राज्य के जाने-माने लोगों को शामिल करने की योजना है। हम मादक पदार्थों के खिलाफ़ एक बड़ी लड़ाई लड़ रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर लोगों को इस अभियान का समर्थन करने के लिए आगे आना चाहिए।

द्रमुक ने विधानसभा की कार्यवाही के सीधे प्रसारण की मांग की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में विपक्षी पार्टी द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने शनिवार को विधानसभा अध्यक्ष जे. सी. डी. प्रभाकर से विधानसभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

विपक्ष के नेता उदयनिधि स्टालिन ने विधानसभा अध्यक्ष को लिखे पत्र में याद दिलाया कि मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने वादा किया था कि विधानसभा की कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाएगा, लेकिन इसके विपरीत, 19 जून को राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव से जुड़ी चर्चा का पूरा प्रसारण नहीं किया गया। उदयनिधि ने अनुरोध किया कि 22 जून को होने वाले विधानसभा सत्र के दौरान उनकी और अन्य नेताओं के भाषणों सहित पूरी कार्यवाही का सीधा प्रसारण किया जाए।

आईयूएमएल ने द्रमुक नीत गठबंधन से अलग होने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) ने तमिलनाडु में द्रमुक नीत गठबंधन से अलग होने की शनिवार को आधिकारिक रूप से घोषणा कर दी और कहा कि वह सत्तारूढ़ तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) के साथ अपनी राजनीतिक यात्रा जारी रखेगी। इसके साथ ही द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के साथ उसका दशकों पुराना ऐतिहासिक गठबंधन समाप्त हो गया।

पार्टी ने आज पारित एक प्रस्ताव में कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों में इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग के लिए द्रमुक नीत सेक्युलर प्रोग्रेसिव अलायंस' में बने रहना संभव नहीं है। साथ ही उसने टीवीके को मिले जनादेश का सम्मान करने की बात भी कही।

प्रस्ताव में स्पष्ट किया गया कि पार्टी द्रमुक गठबंधन का साथ छोड़ रही है। आईयूएमएल ने मई में सरकार गठन के दौरान टीवीके का समर्थन किया था। पापनासम विधानसभा क्षेत्र से निर्वाचित पार्टी विधायक ए. एम. शाहजहां को विजय के मंत्रिमंडल में अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री बनाया गया है। चार मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद द्रमुक की लंबे समय से सहयोगी रही कांग्रेस ने टीवीके के साथ गठबंधन कर सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। पार्टी के दो विधायकों को मंत्रिमंडल में जगह दी गई। कांग्रेस ने भविष्य के चुनावों में भी टीवीके के साथ अपना गठबंधन जारी रखने की घोषणा की थी। द्रमुक की एक अन्य सहयोगी पार्टी विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके) भी टीवीके सरकार में शामिल हो गई, जबकि वाम दलों ने सरकार को बाहर से बिना शर्त समर्थन दिया।

ऐसे संकेत हैं कि वाइको के नेतृत्व वाली मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) भविष्य में विजय के नेतृत्व वाली पार्टी के साथ गठबंधन की संभावना तलाश सकती है। एमडीएमके ने द्रमुक नीत गठबंधन के हिस्से के रूप में चार निर्वाचन क्षेत्रों में द्रमुक के चुनाव चिह्न (उगते सूरज) पर चुनाव लड़ा था और दो सीटें जीती थीं। रायापुरम स्थित आईयूएमएल कार्यालय में आयोजित पार्टी की अहम बैठक में कुल 14 प्रस्ताव पारित किए गए। इनमें से एक प्रस्ताव में द्रमुक गठबंधन से अलग होने के पार्टी के फैसले को औपचारिक मंजूरी दी गई। बाद में आईयूएमएल के राष्ट्रीय अध्यक्ष के. एम. कादर मोहिदीन ने कहा कि पार्टी ने जनादेश का सम्मान करते हुए टीवीके सरकार के गठन का समर्थन किया था।

उन्होंने कहा कि मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियां ऐसी नहीं हैं कि पार्टी द्रमुक के साथ अपना संबंध जारी रख सके। पार्टी के प्रस्ताव में कहा गया कि उपचुनावों और स्थानीय निकाय चुनावों की अधिसूचना जारी होने के बाद चुनावी गठबंधन को लेकर निर्णय लिया जाएगा। मोहिदीन ने संवाददाताओं से कहा, ''लोगों का मानना है कि टीवीके अच्छी शासन व्यवस्था दे रही है और यह सरकार बनी रहनी चाहिए।'' दोनों दलों के बीच गठबंधन पहली बार 1962 में बना था। मोहिदीन ने कहा कि द्रमुक अध्यक्ष एम. के. स्टालिन के साथ चर्चा और पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व के साथ आंतरिक विचार-विमर्श के बाद आईयूएमएल ने सुशासन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए टीवीके मंत्रिमंडल में शामिल होने का फैसला किया।

उन्होंने कहा कि नागरिक कर्तव्य के रूप में लोकतांत्रिक मतदान के प्रति उनकी धार्मिक प्रतिबद्धता को अतीत में द्रमुक के प्रति अंध समर्थन के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। एमडीएमके नेता ने स्पष्ट किया कि उन्होंने इस्लाम में निर्धारित पांच कर्तव्यों के साथ लोकतांत्रिक मतदान को ''छठा कर्तव्य'' बताया था लेकिन कभी भी लोगों से द्रमुक को वोट देने के लिए नहीं कहा।उन्होंने कहा, हम सभी को लगा था कि द्रमुक गठबंधन चुनाव जीतेगा, लेकिन जनता ने अलग फैसला किया।'' मोहिदीन ने कहा कि उनकी टिप्पणियों को गलत ढंग से समझा गया या कुछ लोगों ने उन्हें द्रमुक के पक्ष में विशेष समर्थन के रूप में पेश किया। उन्होंने जोर दिया कि उन्होंने लोकतंत्र में मतदान को नागरिक कर्तव्य बताया था।

कांग्रेस सांसद कुरियाकोस ने मुल्लापेरियार बांध पर तमिलनाडु सरकार के रुख की निंदा की

इडुक्की/भाषा। कांग्रेस नेता एवं सांसद डीन कुरियाकोस ने मुल्लापेरियार के पास नया बांध नहीं बनने देने और मौजूदा बांध का जलस्तर बढ़ाने संबंधी तमिलनाडु की नयी सरकार के रुख की शनिवार को निंदा की। इडुक्की लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुरियाकोस ने कहा कि मुल्लापेरियार मुद्दे पर केरल का रुख हमेशा अपने लिए सुरक्षा और तमिलनाडु के लिए पानी का रहा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, तमिलनाडु की नयी सरकार ने अपने हालिया नीतिगत अभिभाषण में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह केरल को नया बांध नहीं बनाने देगी।

कांग्रेस सांसद कुरियाकोस ने मुल्लापेरियार बांध पर तमिलनाडु सरकार के रुख की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

इडुक्की/भाषा। कांग्रेस नेता एवं सांसद डीन कुरियाकोस ने मुल्लापेरियार के पास नया बांध नहीं बनने देने और मौजूदा बांध का जलस्तर बढ़ाने संबंधी तमिलनाडु की नयी सरकार के रुख की शनिवार को निंदा की।

इडुक्की लोकसभा क्षेत्र से सांसद कुरियाकोस ने कहा कि मुल्लापेरियार मुद्दे पर केरल का रुख हमेशा अपने लिए सुरक्षा और तमिलनाडु के लिए पानी का रहा है। उन्होंने कहा, ''हालांकि, तमिलनाडु की नयी सरकार ने अपने हालिया नीतिगत अभिभाषण में स्पष्ट रूप से कहा है कि वह केरल को नया बांध नहीं बनाने देगी और मौजूदा बांध का जलस्तर बढ़ाएगी। यह रुख निंदनीय है।''

तमिलनाडु सरकार ने बृहस्पतिवार को अपने नीतिगत अभिभाषण में मुल्लापेरियार मुद्दे पर कहा था कि केरल को नया बांध बनाने से रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। तमिलनाडु सरकार ने यह भी कहा था कि मुल्लापेरियार बांध क्षेत्र में मरम्मत का काम कराने और बांध का जलस्तर बढ़ाने के लिए समन्वित कार्रवाई की जाएगी।

20 लाख रुपये की लूट के मामले में सीआईडी निरीक्षक समेत तीन लोग गिरफ्तार

बेंगलूरु। कर्नाटक के बेंगलूरु में पुलिस अधिकारियों का रूप धारण कर एक होटल में ठहरे लोगों को निशाना बनाकर 20 लाख रुपये की लूट को अंजाम देने के मामले में कथित भूमिका के लिए शनिवार को एक निरीक्षक को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, उत्तर पश्चिम रेलवे बीकानेर भारत के राष्ट्रपति के लिए एवं उनकी ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक **10.07.2026** को 15:00 बजे तक निम्नानुसार खुली ई – निविदा आमंत्रित करते हैं :– **क्रमांक 1 निविदा संख्या :** 06-2026-GSU-BKN **कार्य का नाम व स्थान :** लालगढ़ (फेज–II) में कोचिंग मेंटेनेंस सुविधाओं को बढ़ाने के काम के तहत सिविल कार्य । **अनुमानित लागत :** रू 948267738.01 **बिड सिक्यूरिटी :** रू. 18965400.00 **निविदा प्रस्तुत करने की तिथि व समय :** बोली शुरू होने तारीख **26.06.2026** और निविदा बंद होने की तारीख और समय **10.07.2026** को 15:00 बजे तक । **नोट:** अन्य शर्तें रेलवे की वेब साइट www.ireps.gov.in पर देखी जा सकती है।

895-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

बेंगलूरु के विधान सौधा में शनिवार को राज्य के खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता मामलों के मंत्री के.एच. मुनियप्पा के नेतृत्व में 30 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले अनिवासी कन्नड़ प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार।

प्रभावी पुलिसिंग के लिए डिजिटल ढांचे को मजबूत किया जाएगा : प्रियंक खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री प्रियंक खरगे ने कहा है कि राज्य सरकार समूचे कर्नाटक में त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और अधिक प्रभावी पुलिस व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे, खुफिया प्रणाली और संस्थागत क्षमता को मजबूत करना जारी रखेगी। गृह मंत्री ने यह टिप्पणी बेंगलूरु में 'अपर पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), संचार, रसद और आधुनिकीकरण' के कार्यालय का दौरा करने और प्रमुख पुलिसिंग व तकनीकी प्रणालियों की समीक्षा करने के बाद की। खरगे ने शुक्रवार को सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आधुनिक पुलिस व्यवस्था के लिए आधुनिक तकनीक आवश्यक है। हम समूचे कर्नाटक में त्वरित प्रतिक्रिया, बेहतर समन्वय और अधिक प्रभावी पुलिसिंग सुनिश्चित करने के लिए डिजिटल बुनियादी ढांचे, खुफिया प्रणाली और संस्थागत क्षमता को मजबूत करना जारी रखेंगे। कांग्रेस नेता ने साइबर धोखाधड़ी से निपटने के लिए प्रतिक्रिया तंत्र को मजबूत करने के उपायों की भी समीक्षा की, जिनमें लियन मार्किंग की प्रक्रिया को तेज करना।

मुख्यमंत्री शिवकुमार ने शिकायत निवारण के लिए 'प्रजासेवा विभाग' स्थापित करने की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने शनिवार को जनता की शिकायतों के समाधान के लिए प्रजासेवा' नाम का एक नया विभाग बनाने की घोषणा की और कहा कि इसका नेतृत्व एक मंत्री करेंगे। उन्होंने यहां कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा कि जिला (के प्रभारी) मंत्रियों को सभी विधानसभा क्षेत्रों में नियमित रूप से जनता से संवाद करना होगा ताकि लोगों की समस्याओं का समाधान किया जा सके।कैबिनेट बैठक में यह भी फैसला लिया गया कि 31 मई 2000 से पहले बन चुकी इमारतों में रहने वाले पात्र लोगों को स्थायी बिजली कनेक्शन के लिए आवेदन करने के संबंध में 15 दिन का समय दिया जाएगा और इसके लिए उन्हें फोटो और जीपीएस साक्ष्य प्रस्तुत करने होंगे।

शिवकुमार ने सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक के बाद पत्रकारों से कहा, आज हमने जो पहला फैसला लिया है, वह जनता की शिकायतों से जुड़ा है। लोगों के सामने कई समस्याएं हैं। जब जिला मंत्री दौरे करते हैं, जब मुख्यमंत्री लोगों से मिलते हैं या जब विरोध प्रदर्शन होते हैं, तो हमें उनकी भावनाओं और समस्याओं का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सरकार एक अलग 'प्रजासेवा विभाग' बनाएगी, जिसके लिए एक विशेष मंत्री और अलग प्रशासनिक व्यवस्था होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह विभाग शिकायतों की जांच करेगा और प्रशासन की ओर से समय पर जवाब सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा, हम एक अलग मंत्रालय के रूप में प्रजासेवा विभाग (लोक सेवा विभाग) बना रहे हैं। इस विभाग की जिम्मेदारी एक अलग मंत्री को सौंपी जाएगी। शिवकुमार ने कहा कि शिकायतों की निगरानी व्यवस्था का नेतृत्व एक वरिष्ठ आईएएस अधिकारी करेंगे और मुख्यमंत्री को सीधे प्राप्त होने वाली शिकायतों सहित मंत्रियों को दी जाने वाली शिकायतें जांच और आगे की कार्रवाई के लिए इस विभाग के माध्यम से भेजी जाएंगी।

इस पहल के तहत जिला मंत्रियों के लिए यह अनिवार्य किया जाएगा कि वे स्थानीय विधायकों की मौजूदगी में तालुका स्तर पर हर सप्ताह शिकायत निवारण और जनसंपर्क बैठकें करें। उन्होंने कहा, सभी 224 विधानसभा क्षेत्रों के लिए जिला मंत्रियों को हर सप्ताह एक तालुका का दौरा करना होगा और प्रजासेवा विभाग के तहत जनता से संवाद तथा शिकायत निवारण बैठकें करनी होंगी।

उत्तर पश्चिम रेलवे

ई-निविदा सूचना

मण्डल रेल प्रबंधक (टीआरडी एवं जीएसयू), उत्तर-पश्चिम रेलवे, अजमेर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से नीचे दिये गये कार्यो के लिए दी गई तिथि को 15:00 बजे तक ई निविदा आमंत्रित की जाती है। **1. निविदा संख्या :** मं.रे.प्र.–टीआरडी–05–2026–27 **कार्य का नाम :** Outsourcing of maintenance of PSI assets under jurisdiction of DEE/TRD/AII, Ajmer Division for period of two years. **अनुमानित लागत :** रू. 1,67,59,836.00 **बयाना राशि :** रू. 3,35,200/– **ई–निविदायें बंद होने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.00 बजे **ई–निविदायें खोलने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.30 बजे **2. निविदा संख्या :** मं.रे.प्र.–टीआरडी–06–2026–27 **कार्य का नाम :** Outsourcing of maintenance of PSI assets under jurisdiction of DEE/TRD/ABR, Ajmer Division for period of two years. **अनुमानित लागत :** रू. 1,76,30,115.00 **बयाना राशि :** रू. 3,52,600/– **ई–निविदायें बंद होने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.00 बजे **ई–निविदायें खोलने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.30 बजे **3. निविदा संख्या :** मं.रे.प्र.–टीआरडी– 07–2026–27 **कार्य का नाम :** Outsourcing of maintenance of PSI assets under jurisdiction of AEE/TRD/UDZ, Ajmer Division for period of two years. **अनुमानित लागत :** रू. 2,47,20,096.00 **बयाना राशि :** रू. 4,94,400/– **ई–निविदायें बंद होने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.00 बजे **ई–निविदायें खोलने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.30 बजे **4. निविदा संख्या :** मं.रे.प्र.–टीआरडी–08–2026–27 **कार्य का नाम :** **A.** TRD work in connection with Provision of an additional line at Khemli station (common user work). **B.** TRD work in connection with Mangliyawas Provision of FOB at MLI (Footfall) 135 stations to eliminate the deficiency of MEA at 1 station. **C.** TRD work in connection with the Provision of Electronic Interlocking in place of Panel Interlocking along with MSDAC at 02 station of Ajmer division. (Ghosunda and Fatehnagar) **अनुमानित लागत :** रू. 58,83,164.40 **बयाना राशि :** रू. 1,17,700/– **ई–निविदायें बंद होने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.00 बजे **ई–निविदायें खोलने की तिथि व समय :** 09.07.2026 को 15.30 बजे उपरोक्त ई–निविदा की विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाइट का पता – www.ireps.gov.in

893-DE/26

हमें /NWRailways NWRailways_पर फॉलो करें

राजस्थान में पहली बार इलेक्ट्रिक बसों की शुरूआत

मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति से स्टेट हेंगर तक ई बस में किया सफर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को प्रधानमंत्री ई बस सेवा के तहत अमर जवान ज्योति से जेसीटीएसएल की 29 अत्याधुनिक इलेक्ट्रिक बसों को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया। साथ ही, उन्होंने वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भीलवाड़ा में भी 18 इलेक्ट्रिक बसों का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि इन बसों के संचालन से स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुगम सार्वजनिक परिवहन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी परिवहन में इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने के लिए यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अगस्त 2023 में पीएम ई-बस सेवा योजना प्रारम्भ की। केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के डिपो निर्माण, इलेक्ट्रिक वर्क और संचालन में राज्य सरकार को सहायता दी जा रही है। इसके तहत इलेक्ट्रिक बसों के संचालन से शहरों में प्रदूषण को कम करने का काम किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने अमर जवान ज्योति पर इलेक्ट्रिक बस का विधिवत पूजन कर अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने बस में पैनिक बटन, एसी और सीसीटीवी कैमरे जैसी आधुनिक सुविधाओं की जानकारी ली। साथ ही, चालक और परिचालक से बातचीत की। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने टिकट लेकर अमर जवान ज्योति से स्टेट हेंगर तक इलेक्ट्रिक बस में सफर किया।

उन्होंने कहा कि इस योजना में राजस्थान के जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, कोटा, बीकानेर, भीलवाड़ा, अलवर तथा अजमेर का चयन हुआ है। केन्द्र सरकार द्वारा इन 8 जिलों के लिए 675 इलेक्ट्रिक बसें स्वीकृत की गई हैं। इसके अतिरिक्त भी 475 ई बसें स्वीकृत हुई हैं। इस प्रकार राजस्थान को कुल 1150 ई बसें मिलेंगी। उन्होंने कहा कि प्रथम चरण में दीपावली तक 675 ई बसों का संचालन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक तकनीक से सुसज्जित ये बसें विशेष रूप से दिव्यांगों, महिलाओं, विद्यार्थियों एवं वरिष्ठ नागरिकों के लिए सुरक्षित, सुविधाजनक एवं किफायती यात्रा का माध्यम बनेंगी। साथ ही, इन बसों में सीसीटीवी कैमरे होंगे जिनसे महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकेगी। उन्होंने कहा कि हमारा संकल्प है कि प्रदेश के नागरिकों को आधुनिक, सुरक्षित एवं पर्यावरण-अनुकूल सार्वजनिक परिवहन की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 555 ई-बसें शहरी परिवहन के लिए और 50 डबल डेकर ई-बस पर्यटकों के लिए उपलब्ध कराएगी। इसके क्रियान्वयन के लिए तीव्र गति से कार्य किया जा रहा है। यह कदम विकसित राजस्थान 2047 के संकल्प को साकार करने की दिशा में अहम कड़ी साबित होगा। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार ने पिछले ढाई वर्ष में राजस्थान के पानी, बिजली, उद्योग, परिवहन सहित विभिन्न क्षेत्रों में विकास को नई गति प्रदान की है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हरियालो राजस्थान के जरिए पर्यावरण संरक्षण को मजबूती प्रदान कर रही है। इस अभियान के तहत अब तक लगभग 20 करोड़ पौधारोपण किया जा चुका है। उन्होंने प्रदेशवासियों से एक पेड़ मां के नाम और हरियालो राजस्थान अभियान के तहत पौधारोपण करने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में विधायक कालीचरण सराफ, गोपाल शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, अध्यक्ष जयपुर सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड रवि जैन एवं जेसीटीएसएल के अन्य अधिकारियों सहित आमजन उपस्थित रहे। वहीं, भीलवाड़ा से विधायक उदयलाल भडाणा, अशोक कोठारी सहित आमजन वीसी के जरिए कार्यक्रम में जुड़े।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर जयपुर के विभिन्न स्थानों पर आयोजित होंगे भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस(21 जून) के अवसर पर रविवार को जयपुर में विभिन्न स्थानों पर भव्य योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। मुख्यः सामूहिक योग्याभ्यास कार्यक्रम प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक एस.एम.एस. स्टेडियम में आयोजित होगा। साथ ही अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट, जलमहल तथा आमेर फोर्ट जैसे शहर के प्रमुख सांस्कृतिक धरोहर एवं पर्यटन स्थलों पर भी इस दौरान सामूहिक योगाभ्यास कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम प्रभारी एवं आयुर्वेद विभाग के अतिरिक्त निदेशक डॉ. बत्तीलाल बैरवा ने बताया कि इस 12वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस-2026 की थीम 'योगा फॉर हेल्दी एजिंग' (धेसर षी क्शरश्रींहू -सशळपस) रखी गई है। इस अवसर पर विभिन्न आयु वर्गों के नागरिकों को योग के माध्यम से स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि एस.एम.एस. स्टेडियम, अल्बर्ट हॉल, पत्रिका गेट, जलमहल एवं आमेर फोर्ट पर आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में विद्यालयों एवं महाविद्यालयों के विद्यार्थी, कोचिंग संस्थानों के छात्र-छात्राएं, विभिन्न संस्थाओं के योग साधक, एनसीसी, सीआरपीएफ, पुलिस, होमगार्ड, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित विभिन्न विभागों के कार्मिक के साथ बड़ी संख्या में आमजन भाग लेंगे।

मीडिया प्रभारी एवं सहायक निदेशक डॉ. लक्ष्मण सैनी ने बताया कि योग आज विश्वभर में समग्र स्वास्थ्य एवं मानव कल्याण का प्रभावी माध्यम बन चुका है। योग न केवल शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य को सुदृढ़ बनाता है, बल्कि भावनात्मक संतुलन स्थापित करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने आमजन से योग दिवस कार्यक्रमों में अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर योग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया।

योग भारत की अमूल्य धरोहर, इसे जन-जन तक पहुँचाना हमारा दायित्व : देवनानी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। आध्यात्मिक जागृति द्वारा विश्व नवसृजन विषय पर अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय, वैशाली नगर, जयपुर द्वारा चित्रकूट स्टेडियम में विशाल योग एवं ध्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रबुद्धजन ने भाग लेकर योग, ध्यान एवं आध्यात्मिकता को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। प्रातः 6 बजे चित्रकूट स्टेडियम में आयोजित हुए कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि भारत की प्राचीन योग परंपरा आज संपूर्ण विश्व को स्वस्थ जीवन का मार्ग दिखा रही है। योग भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर है।प्रत्येक नागरिक को इसे अपने दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि योग व्यक्ति को अनुशासन, संयम और सकारात्मक सोच प्रदान करता है।

देवनानी ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को वैश्विक स्तर पर स्थापित करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि उनके नेतृत्व में संयुक्त राष्ट्र द्वारा 21 जून को अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया गया, जिसके बाद योग विश्वव्यापी जनआंदोलन बन गया।

साथ ही योगगुरु स्वामी रामदेव के योगदान का उल्लेख करते हुए कहा गया कि उन्होंने योग को घर-घर तक पहुंचाकर करोड़ों लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

कार्यक्रम के प्रारम्भ में दिल्ली के योगाचार्य दिनेश ने उपस्थित जनसमूह को विभिन्न योगासन, प्राणायाम एवं सूक्ष्म व्यायामों का अभ्यास कराया। कार्यक्रम की जानकारी सेवा केन्द्र प्रभारी राजयोगिनी बीके चंद्रकला ने दी। कार्यक्रम में योग प्रशिक्षकों द्वारा विभिन्न योगासनों का अभ्यास कराया गया तथा अष्टांग योग के सिद्धांतोंयम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान एवं समाधि के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

वक्ताओं ने कहा कि अष्टांग योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक विकास का संपूर्ण विज्ञान है। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद डॉ. सतीश पूनियां, कैबिनेट मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़, सिविल लाइंस विधायक गोपाल शर्मा, पूर्व महापौर श्रीमती सौम्या गुर्जर, महेंद्र यादव तथा ब्रह्माकुमारीज राजस्थान की क्षेत्रीय संचालिका राजयोगिनी बीके सुषमा दीदी सहित अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

एसआईआर में राजस्थान को प्रथम लाने में बीएलओ की रही अहम भूमिका : ज्ञानेश कुमार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। भारत निर्वाचन आयोग के मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने शनिवार को सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर (जेईसीसी) में आयोजित बीएलओ संवाद कार्यक्रम में प्रदेश के लगभग 700 बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) एवं सुपरवाइजर्स से संवाद किया। कार्यक्रम में राजस्थान के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवीन महाजन ने कहा कि हमारे बीएलओ के मेहनत का ही परिणाम रहा कि हम एसआईआर का कार्य तय समय से 7 दिन पूर्व संपन्न कर पाएं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने अपने उद्बोधन की शुरुआत राजस्थानी परंपरा के अनुरूप खम्मा घणी कहकर की। उन्होंने कहा कि सभी बीएलओ उनके परिवार का हिस्सा हैं और देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था के आधार है।

12 राज्यों एवं केन्द्र शासित प्रदेशों में हुए एसआईआर में राजस्थान को प्रथम लाने में यहां के बीएलओ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि भारत में सभी चुनाव संविधान और विधि के अनुरूप स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संपन्न होते हैं। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा कि भारत इस वर्ष लोकतांत्रिक देशों के वैश्विक संगठन खऊए-- इंटरनेशनल इंस्टिट्यूट फॉर डेमोक्रेसी एंड इलेक्टोरल असिस्टेंस की अध्यक्षता कर रहा है। यह संगठन विश्व के सभी देशों में स्थायी, सशक्त और समावेशी लोकतंत्र को बढ़ावा देने वाली संस्था है।उन्होंने कहा कि हाल के वर्षों में चुनावों में मतदाताओं की बढ़ती भागीदारी यह दर्शाती है कि देश के नागरिकों का लोकतांत्रिक प्रक्रिया एवं निर्वाचन आयोग पर विश्वास लगातार बढ़ रहा है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्य के सफल संचालन में बीएलओ की भूमिका की सराहना करते हुए उन्हें अतिरिक्त मानदेय प्रदान किए जाने के लिए राज्य सरकार का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के कार्यों की सफलता का आधार जमीनी स्तर पर कार्यरत बीएलओ ही हैं।

उन्होंने कहा कि सामान्य परिस्थितियों में निर्वाचन आयोग एक संस्थागत ढांचे के रूप में कार्य करता है, किंतु चुनावों के दौरान लगभग 1.80 करोड़ अधिकारियों एवं कर्मचारियों की भागीदारी के साथ यह विश्व की सबसे बड़ी चुनावी संस्था बन जाता है। इस विशाल व्यवस्था में बीएलओ सबसे आधारभूत और महत्वपूर्ण स्तंभ हैं, जो निर्वाचन आयोग और मतदाताओं के बीच सेतु का कार्य करते हैं।

संवाद कार्यक्रम के दौरान बीएलओ एवं सुपरवाइजर्स ने निर्वाचन संबंधी विभिन्न अनुभव साझा किए तथा निर्वाचन प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने के संबंध में सुझाव भी दिए। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने सभी अधिकारियों से मतदाता सूची की शुद्धता, पारदर्शिता तथा समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए पूरी निष्ठा एवं प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में जिला निर्वाचन अधिकारी संदेश नायक ने धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त द्वारा किए गए बीएलओ संवाद से चुनाव प्रक्रिय को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी कराने में बीएलओ को नयी दिशा मिलेगी।

भाजपा राज में सरकार 'तबेला' बन चुकी है, किसी की कोई जवाबदेही नहीं : टीकाराम जूली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की चरमराती चिकित्सा व्यवस्था, ध्वस्त हो चुकी कानून व्यवस्था और प्रशासनिक अराजकता को लेकर भजनलाल सरकार पर तीखा हमला बोला है। जूली ने कड़ा रुख अपनाते हुए पूछा कि आखिर राजस्थान में यह क्या सर्कस चल रहा है? एक तरफ जोधपुर में सरेआम फायरिंग हो रही है और एक व्यक्ति की हत्या कर दी जाती है, दूसरी तरफ सरकार के जिम्मेदार कैबिनेट मंत्री खुद अपनी ही एसीबी पर सवाल उठा रहे हैं, और इस प्रशासनिक शून्यता के बीच अस्पतालों में लापरवाही के कारण प्रसूताएं दम तोड़ रही हैं। कोटा में पाँच प्रसूताओं की मौत के बाद बीकानेर के पीबीएम सरकारी हॉस्पिटल में भी किडनी फेल होने से एक प्रसूता की असमय मौत होने पर नेता प्रतिपक्ष ने गहरा दुःख और आक्रोश व्यक्त किया है।

जूली ने कहा कि भजनलाल सरकार में 'अपनी-अपनी ढपली, अपना-अपना राग' चल रहा है। मुख्यमंत्री का ब्यूरोक्रेसी पर कोई नियंत्रण नहीं है, मंत्री अपनी ही सरकार की एजेंसियों पर सवाल उठा रहे हैं और, प्रसूताएं मर रही हैं, सड़कों पर सरेआम गोलियां चल रही हैं। जब पूरी सरकार ही एक तबेला बन चुकी हो, तो जनता की जान-माल और सुरक्षा की परवाह आखिर कौन करेगा?

नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने प्रदेश की कानून व्यवस्था को लेकर भी सरकार पर सीधा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि जोधपुर में सरेआम हुई फायरिंग और उसमें एक व्यक्ति की बेरहमी से की गई हत्या ने साफ कर दिया है कि राजस्थान में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं और राज्य में 'कानून का राज' पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार का इकबाल खत्म हो चुका है और आम आदमी सड़कों पर भी सुरक्षित नहीं है। सरकार की आंतरिक कलह और प्रशासनिक शून्यता पर कड़ा प्रहार करते हुए जूली ने कहा कि बीजेपी राज में सरकार तबेला बन चुकी है। किसी की कोई जवाबदेही नहीं है। सरकार के कैबिनेट मंत्री खुद एसीबी मुख्यालय जा रहे हैं। डॉ. किरोड़ी लाल मीणा एसीबी की कार्रवाई पर सवाल उठा रहे हैं। वे कह रहे हैं कि मेरा नाम उछाला जा रहा है। एसीबी में रिकॉर्ड पर लिए गए डॉक्टर व मंत्री के नाम सही हैं तो मुझे गिरफ्तार किया जाए, वरना स्थिति स्पष्ट की जाए।

इस बेहद गंभीर मामले में जूली ने भी स्पष्ट रुख अपनाते हुए कहा कि एसीबी को इस पूरे घटनाक्रम पर स्थिति तुरंत स्पष्ट करनी ही चाहिए, क्योंकि जब सरकार के वरिष्ठ मंत्री ही सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं और अपनी ही जांच एजेंसियों पर सवाल उठा रहे हैं, तो आम जनता का सिस्टम पर क्या भरोसा रहेगा?

जूली ने कहा कि प्रदेशवासी अभी कोटा में हुई पांच प्रसूताओं की दर्दनाक मौत के सदमे से उबरे भी नहीं थे कि अब बीकानेर से आई इस खबर ने सरकार के तमाम दावों की पोल खोलकर रख दी है। बीकानेर में एक प्रसूता की मौत हो चुकी है, जबकि अन्य महिलाएं किडनी फेल होने के कारण गंभीर हालत में जीवन और मौत के बीच जूझ रही हैं।

परीक्षाओं में पारदर्शिता सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता, तकनीक का हो रहा व्यापक उपयोग : गजेंद्र सिंह शेखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जोधपुर/बीकानेर । केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि नीट परीक्षा में पारदर्शिता लाना सरकार की प्राथमिकता है और सरकार उसी को लाने पर काम कर रही है, रविवार को देशभर में शांतिपूर्वक परीक्षा आयोजित कराई जाएगी। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि केंद्र सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सभी परीक्षाएं पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप आयोजित हों। परीक्षा प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की अनियमितता या गड़बड़ी की कोई गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इसके लिए सरकार आधुनिक तकनीक और उपलब्ध संसाधनों का व्यापक स्तर पर उपयोग कर रही है। नीट की दोबारा परीक्षा को लेकर पूछे गए सवाल पर शेखावत ने कहा कि सरकार का पूरा ध्यान निष्पक्ष और विश्वसनीय परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करने पर है। उन्होंने कहा कि तकनीकी साधनों की मदद से परीक्षा प्रक्रिया को अधिक सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा रहा है। साथ ही उन्होंने बताया कि इस विषय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की भी लगातार नजर बनी हुई है। शेखावत ने सभी परीक्षार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए भरोसा जताया कि परीक्षाएं निष्पक्ष वातावरण में संपन्न होंगी।

वहीं, केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन मेघवाल ने पत्रकारों से बातचीत में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के कोटा दौरे पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जब छात्र अपनी परीक्षाओं और तैयारी में व्यस्त थे, तब ऐसे संवेदनशील समय में राजनीतिक दौरा उचित नहीं था। राहुल गांधी अराजकता की भाषा बोलते हैं, जबकि देश के नागरिक परिपक्व हैं और उन्हें विश्वास है कि देश सुरक्षित हाथों में है। राहुल गांधी को कोटा जाकर इस तरह राजनीति नहीं करना चाहिए था, बल्कि विद्यार्थियों को पढ़ाई करने देना चाहिए था।

उन्होंने कहा कि देश भर में नीट की परीक्षाएं पूरी ईमानदारी, पारदर्शिता और निर्धारित मानकों के अनुरूप आयोजित होंगी। इस पर लोग राजनीति करना बंद कर दें, इससे कुछ मिलने वाला नहीं है। विद्यार्थी अपनी तैयारी कर रहे हैं और कुछ लोगों की गलती की वजह से इसको खराब नहीं किया जाना चाहिए, पिछले बार जिस तरह से काम हुआ था, उसे रोकने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है।

आयुर्वेद जीवन जीने की कला सिखाती है : बैरवा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचंद बैरवा ने शनिवार को यहां महवा के समलेटी गांव में आयुर्वेद चिकित्सा महाविद्यालय एवं चिकित्सालय का विधिवत भूमि पूजन एवं शिलान्यास किया। साथ ही, उन्होंने केंद्रीय बस स्टैंड महवा के नवीनीकरण एवं सौंदर्यकरण कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री डॉ. बैरवा ने जनता को संबोधित करते हुए कहा कि यह दिन केवल भवन के निर्माण के शुभारंभ का ही नहीं अपितु आने वाली पीढ़ियों के शिक्षा, स्वास्थ्य एवं समृद्धि के संकल्प का आधार है। यह महवा क्षेत्र के साथ पूरे राजस्थान के लिए गौरव का क्षण है। उन्होंने देश एवं प्रदेश के विकसित होने का आधार गांवों के स्वस्थ, शिक्षित और मजबूत होने को बताया।

उन्होंने आधुनिक चिकित्सा क्षेत्र में प्रगति के साथ स्वस्थ रहने एवं स्वस्थ जीवनशैली अपनाने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि योग को अपने दैनिक जीवन में अपनाकर हम तनाव, रक्तचाप इत्यादि से दूर रह सकते हैं। भारत ने विश्व को योग दिया एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका विश्व में व्यापक प्रचार प्रसार किया ताकि 'सभी निरोगी रहे'।

उन्होंने कहा कि बीमारी पश्चात दवाई देना महत्वपूर्ण है किंतु उससे भी अधिक महत्वपूर्ण है बीमारी को होने से रोक देना। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के नेतृत्व में आयुष विभाग निरंतर प्रगतिरत है एवं पंचकर्म जैसी सुविधा आमजन को उपलब्ध करवा रहा है। मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण औषधियाँ निशुल्क उपलब्ध करवाई जा रही है।

ग्रामीण अधिक से अधिक संख्या में शिविरों का उठाएं लाभ : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पाली। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को पाली के सुमेरपुर में राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेतरा में ग्रामीण सेवा शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने विभिन्न विभागों की स्टॉल्स का अवलोकन कर लाभार्थियों से संवाद किया तथा शिविर का फीडबैक लिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आमजन को राहत पहुंचाने के लिए प्रदेशभर में ग्रामीण एवं शहरी सेवा शिविर संचालित किए जा रहे हैं। इनमें किसान, मजदूर, गरीब, दिव्यांग, महिला सहित प्रत्येक वर्ग तक योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। इन शिविरों में दस्तावेज शुद्धिकरण के कार्य होने से वंचितों को योजनाओं का लाभ मिलना सुनिश्चित हो रहा है। मुख्यमंत्री ने नाम शुद्धिकरण के प्रकरण का जिक्र करते हुए कहा कि एक किसान का नाम जमाबंदी में ओट सिंह दर्ज था, जबकि शैक्षणिक व अन्य दस्तावेजों में नाम अर्जुन सिंह था। इस मामूली अशुद्धि के कारण उन्हें किसान सम्मान निधि का लाभ नहीं मिल पा रहा था। इस शिविर के माध्यम से नाम का शुद्धिकरण हुआ है जिससे अब उन्हें किसान सम्मान निधि सहित अन्य योजनाओं का लाभ भी मिल सकेगा।

बंगाल अपनी बेड़ियों से मुक्त हो गया है, राज्य का गौरव वापस लौटने लगा : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तारकेश्वर/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पश्चिम बंगाल ''अपनी बेड़ियों से मुक्त हो गया है'' और विकास की एक नई यात्रा पर निकल पड़ा है।

मोदी ने कहा कि चुनाव के एक ही फैसले से आया बदलाव पूरे राज्य में साफ तौर पर देखा जा सकता है।

तारकेश्वर में कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करने के बाद 'पश्चिमबंग दिवस' के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि बंगाल की हवा में अब एक ''नई ताजगी'' महसूस की जा सकती है। मोदी ने कहा, ''चुनाव और सरकार गठन के बाद, आज मुझे पहली बार आपके बीच आने का सौभाग्य मिला है। बंगाल की हवा में अब एक नई ताजगी है। ऐसा लगता है मानो बंगाल अब अपनी बेड़ियों से आजाद हो गया है और बंगाल का गौरव फिर से लौटने लगा है।'' विधानसभा चुनावों में भाजपा की जीत का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि राज्य में हो रहा बदलाव लोकतांत्रिक प्रक्रिया की ताकत को दिखाता है। उन्होंने कहा, ''बंगाल के लोगों के चेहरों पर चमक है और गांवों में खुशी और भरोसे का माहौल है... बंगाल में यह साफ दिखता है कि आपका एक वोट कैसे बदलाव ला सकता है।''

मोदी ने भारत-बांग्लादेश सीमा पर बाड़ लगाने के काम में तेजी के लिए राज्य सरकार की कोशिशों का भी जिक्र किया और आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने इस प्रक्रिया में रुकावट डाली थी।

प्रधानमंत्री ने कहा, ''आपने देखा होगा कि पिछली सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने के लिए जमीन सौंपने के काम को रोक दिया था। मौजूदा सरकार के कार्यकाल में वह प्रक्रिया शुरू हो गई है।''

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह भी कहा कि राज्य में भ्रष्टाचार और सरकारी धन के गबन के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मोदी 'पश्चिमबंग दिवस' समारोह में शामिल हुए, 'पीएम-किसान' योजना की किस्त जारी की

तारकेश्वर (प.बंगाल)/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शनिवार को हुगली जिले के तारकेश्वर में 'पश्चिमबंग दिवस' समारोह में शामिल हुए। मोदी ने 'पीएम-किसान' योजना की 18,880 करोड़ रुपए की 23वीं किस्त जारी की, जिससे पूरे भारत में 9.44 करोड़ से अधिक किसान लाभान्वित हुए।

प्रधानमंत्री राज्य दिवस के मौके पर आयोजित एक समारोह में शामिल हुए, जिसमें मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी, मंत्री, विधायक, सरकारी अधिकारी और आम जनता भी शामिल हुई। मोदी ने रेलवे, कृषि, ग्रामीण विकास, मत्स्य पालन और पशुपालन क्षेत्रों से संबंधित विभिन्न विकास परियोजनाओं की शुरुआत की, इन्हें राष्ट्र को समर्पित किया तथा इनकी आधारशिला रखी। पीआईबी द्वारा जारी बयान में कहा गया कि इन योजनाओं में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, एग्री स्टैक, प्राकृतिक खेती पर राष्ट्रीय मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना शामिल हैं। प. बंगाल के किसानों को दुनिया की सबसे बड़ी फसल बीमा योजना का लाभ देने के लिए प्रधानमंत्री ने राज्य में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना की शुरुआत की। इस पहल का उद्देश्य 2026-27 में पश्चिम बंगाल के लगभग 50 लाख किसानों को लगभग 14 लाख हेक्टेयर कृषि भूमि पर बीमा कवरेज प्रदान करना है, जिससे लगभग 28,140 करोड़ रुपए के अनुमानित बीमित मूल्य वाली फसलों की सुरक्षा होगी तथा किसानों को पर्याप्त महत्वपूर्ण सब्सिडी के माध्यम से सहायता मिलेगी। मोदी ने लगभग 590 करोड़ रुपए की महत्वपूर्ण रेलवे परियोजनाओं को भी राष्ट्र को समर्पित किया तथा इनकी आधारशिला रखी। उन्होंने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई-तृतीय) के तहत विकसित 49 सड़क अवसंरचना परियोजनाओं का उद्घाटन किया, जिसके दायरे में पश्चिम बंगाल के विभिन्न जिलों में कुल मिलाकर 315 किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र आता है।

ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देगी : किरेन रीजीजू

श्री विजय पुरम/भाषा। संसदीय कार्य एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रीजीजू ने शनिवार को कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना भारत की आर्थिक वृद्धि को गति देने के साथ देश को आपूर्ति शृंखला के मामले में अधिक आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। 'विकसित भारत संकल्प सम्मेलन' को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि ग्रेट निकोबार द्वीप के समग्र विकास का उद्देश्य आर्थिक प्रगति और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करना है। परियोजना को आगे बढ़ाते समय सभी आवश्यक नियमों और पर्यावरणीय मानकों का पालन किया जा रहा है। रीजीजू ने कहा, ''कुछ लोग इस परियोजना का विरोध कर रहे हैं। वे भारत की प्रगति नहीं देखना चाहते। मैं उन्हें बताना चाहता हूं कि ग्रेट निकोबार परियोजना देश की आर्थिक वृद्धि का केंद्रबिंदु बनेगी। यह हिंद-प्रशांत क्षेत्र में एक प्रमुख समुद्री और लॉजिस्टिक केंद्र के रूप में विकसित होगी।''

भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा : हरदीप

सोनभद्र (उप्र)/भाषा। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार के सफल 12 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित '12 साल विरासत के, विकास के, जनकल्याण के' अभियान के अंतर्गत पुरी ने सोनभद्र का दौरा किया। मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार की डेल्टा रैंकिंग में सोनभद्र ने पहला स्थान प्राप्त किया है और विकास की वर्तमान गति को देखते हुए यह जनपद पिछड़ेपन की पहचान से निकलकर शीघ्र ही एक मॉडल जनपद के रूप में स्थापित होगा। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में बीते 12 वर्षों में भारत ने विकास, आधारभूत संरचना, ऊर्जा, सामाजिक सुरक्षा, गरीब कल्याण और आत्मनिर्भरता के क्षेत्रों में अभूतपूर्व उपलब्धियां हासिल की हैं। आज भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है तथा विकसित भारत का संकल्प देश को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहा है। सरकार का उद्देश्य समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाकर समावेशी विकास सुनिश्चित करना है।

'पश्चिमबंग दिवस' पहली बार आधिकारिक रूप से मनाया जा रहा : शुभेंदु अधिकारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने 20 जून की तारीख को पश्चिम बंगाल के इतिहास में सबसे महत्वपूर्ण और भविष्य की रूपरेखा तय करने वाले दिनों में एक करार देते हुए कहा कि उनकी सरकार राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं को पूरी मान्यता देते हुए पहली बार आधिकारिक तौर पर 'पश्चिमबंग दिवस' मना रही है।

शुभेंदु ने सोशल मीडिया पोस्ट में राज्य के लोगों को बधाई दी और कहा कि भाजपा सरकार पश्चिम बंगाल के गठन के पीछे की ''वास्तविक ऐतिहासिक कहानी'' को पुन: स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा, ''आज, 20 जून, पश्चिम बंगाल के इतिहास में एक बेहद अहम दिन है और बंगालियों के लिए किस्मत तय करने वाला दिन है। इस ऐतिहासिक दिन पर, मैं राज्य के सभी निवासियों को दिल से बधाई देता हूं और केसरिया अभिवादन करता हूं।''

मुख्यमंत्री ने कहा कि कई दशकों के बाद, श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आदर्शों से प्रेरित एक सरकार औपचारिक रूप से 'पश्चिम बंगाल दिवस' मना रही है तथा राज्य के गठन से जुड़ी ऐतिहासिक घटनाओं के सही क्रम को पूरी मान्यता भी दे रही है।

शुभेंदु ने कहा, ''हमारे इतिहास को मिटाने की घिनौनी साजिश आज खत्म हो गई है। वोट-बैंक की राजनीति और तुष्टीकरण के काले अध्याय का अंत हो गया है।'' उन्होंने कहा, ''दुर्भाग्य से, पिछली सरकार ने सिर्फ अपने वोट बैंक को बचाने और तुष्टीकरण की राजनीति करने के लिए इस पवित्र दिन के महत्व को पूरी तरह से दबाने की कोशिश की थी। बंगाली अस्मिता के लिए हुए इस संघर्ष को इतिहास के पन्नों से मिटाने की कोशिश की गई, ताकि लोग अपनी जड़ों और पश्चिम बंगाल के गठन के पीछे के असली नायकों को भूल जाएं।''

तृणमूल कांग्रेस से जुड़े तीन बैंक खातों से पैसे निकालने पर रोक लगाई गई

कोलकाता/भाषा। तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों की शिकायतों के बाद पार्टी के तीन बैंक खातों से पैसे निकालने पर रोक लगा दी गई है। इन खातों में लगभग 440 करोड़ रुपए हैं। पार्टी के बागी विधायकों ने धन के स्रोत की जांच कराये जाने की मांग की है।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि निजी क्षेत्र के एक बैंक में रखे गए तीन खातों को ''डेबिट फ्रीज'' कर दिया गया है।

'डेबिट फ्रीज' का अर्थ बैंक खाते से पैसे निकालने, हस्तांतरण करने या किसी भी प्रकार का भुगतान करने पर अस्थायी रूप से रोक लगाना होता है। तृणमूल कांग्रेस के संगठन और वित्तीय तंत्र पर नियंत्रण को लेकर पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास और विपक्ष के नेता रिताब्रता बनर्जी के खेमों के बीच टकराव चल रहा है। यह विवाद हाल के विधानसभा चुनाव में पार्टी के हार के बाद और बढ़ गया है।

यह कदम बनर्जी समर्थक 10 विधायकों की शिकायतों के बाद उठाया गया है। इन विधायकों ने बिधाननगर पुलिस आयुक्तालय के तहत साइबर अपराध पुलिस थाने में खातों को लेकर प्राथमिकी दर्ज करने और विस्तृत जांच की मांग की है। अपनी शिकायतों में विधायकों ने खातों में जमा धन के स्रोत पर सवाल उठाए और उन खातों के माध्यम से किए गए लेन-देन की जांच की मांग की।

ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' में पाकिस्तान को सबक सिखाया : योगी आदित्यनाथ

ललितपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा की सराहना करते हुए शनिवार को कहा कि स्वदेशी तकनीक से विकसित ब्रह्मोस मिसाइलों ने 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान पाकिस्तान को ''मुंहतोड़ जवाब'' दिया।

आदित्यनाथ ने ललितपुर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए दावा किया कि उत्तर प्रदेश में निर्मित ब्रह्मोस मिसाइलों ने ''पाकिस्तान को मदद की गुहार लगाने और खुद को बचाने की भीख मांगने पर मजबूर कर दिया।'' मुख्यमंत्री ने 1,766 करोड़ रुपए की लागत वाली 221 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने के बाद सभा को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने घोषणा की कि उत्तर प्रदेश का पहला फार्मा पार्क ललितपुर में स्थापित किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''राज्य के पहले फार्मा पार्क की स्थापना के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं।'' हाल में हुए अमेरिका-ईरान संघर्ष का उल्लेख करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि इस संघर्ष के कारण वैश्विक स्तर पर ईंधन आपूर्ति प्रभावित हुई, लेकिन मोदी सरकार के प्रयासों से भारत में ऊर्जा संकट पैदा नहीं हुआ। आदित्यनाथ ने कहा, ''अमेरिका-ईरान संघर्ष के दौरान दुनिया भर में ईंधन आपूर्ति बाधित हुई। मोदी जी के नेतृत्व में ऐसे कदम उठाए गए, जिनसे देश को ऊर्जा संकट का सामना नहीं करना पड़ा। लोगों को राहत मिली और महंगाई भी नियंत्रण में रही।'' मुख्यमंत्री ने कहा, ''ब्रह्मोस मिसाइलें उत्तर प्रदेश में बनाई जा रही हैं। जब 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान इनका इस्तेमाल किया गया तो पाकिस्तान को ऐसा करारा झटका लगा कि वह मदद की गुहार लगाने और खुद को बचाने की भीख मांगने पर मजबूर हो गया। यह नए भारत की ताकत है और इसे प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व से शक्ति मिलती है।''

मणिपुर में छह नगा नागरिकों की हत्या के विरोध में सैकड़ों लोगों ने प्रदर्शन किया

इंफाल/भाषा। मणिपुर में कथित तौर पर अगवा किए जाने के बाद मृत पाए गए छह नगा नागरिकों के लिए न्याय की मांग को लेकर शनिवार को सैकड़ों लोगों ने राज्य की राजधानी में प्रदर्शन किया। विरोध प्रदर्शन 'ऑल नगा स्टूडेंट्स एसोसिएशन मणिपुर' (एएनएसएएम) द्वारा आयोजित किया गया। प्रदर्शनकारियों ने डेवलालैंड के तंगखुल बैपटिस्ट चर्च से मार्च शुरू किया, जो करीब चार किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद इंफाल पश्चिम जिले के चिंगमेइरोंग स्थित मणिपुर बैपटिस्ट चर्च पर जाकर संपन्न हुआ। प्रदर्शनकारियों ने इन हत्याओं के लिए जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान जब पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह का काफिला नॉर्थ एओसी क्षेत्र से गुजरा, तब प्रदर्शनकारियों ने कुछ देर के लिए नारेबाजी तेज कर दी। एएनएसएएम के अध्यक्ष थंगतेशांग मारिंग ने कहा कि यह प्रदर्शन छह नागरिकों की हत्या को लेकर जनता के गुस्से को दर्शाता है। उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''यह एक सामूहिक प्रदर्शन है जो निर्दोष नागरिकों पर किए गए अत्याचारों के खिलाफ न्याय की मांग करने वाले लोगों की आवाज को प्रदर्शित करता है।''

शाहिदी का शतक, प्रसिद्ध के पांच विकेट से भारत ने अफगानिस्तान को 218 रन पर समेटा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/भाषा। प्रसिद्ध कृष्णा (23 रन पर पांच विकेट) के करियर की सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी से भारत ने तीसरे और अंतिम एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में कप्तान हशमतुल्लाह शाहिदी के करियर के पहले शतक के बावजूद अफगानिस्तान को 218 रन पर समेट दिया।

प्रसिद्ध की तूफानी गेंदबाजी के सामने अफगानिस्तान ने 10वें ओवर में 36 रन तक चार विकेट गंवा दिए थे लेकिन शाहिदी ने अंतिम बल्लेबाज के तौर पर आउट होने से पहले 131 गेंद में 13 चौकों और एक छक्के से 102 रन की पारी खेलने के अलावा अजमतुल्लाह उमरजई (50) के साथ पांचवें विकेट के लिए 117 गेंद में 105 रन की साझेदारी करके टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। शाहिदी ने मोहम्मद नबी (21) के साथ भी छठे विकेट के लिए 53 गेंद में 57 रन की साझेदारी की। मेहमान टीम हालांकि अंत में 44.2 ओवर में सिमट गई।

अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद प्रसिद्ध ने अपनी शानदार गेंदबाजी से मेहमान टीम के शीर्ष क्रम को ध्वस्त किया। उन्होंने 'फुलर लेंथ' पर गेंद डालकर बल्लेबाजों को ड्राइव खेलने के लिए ललचाया।

रहमानुल्लाह गुरबाज (05), इब्राहिम जादरान (11) और रहमत शाह (05) तीनों ने ही प्रसिद्ध की ऑफ स्टंप के बाहर की गेंदों पर ड्राइव खेलने की कोशिश की और पहली स्लिप में खड़े रोहित शर्मा को आसान कैच थमा बैठे।

दारविश रसूली (01) भी इस तेज गेंदबाज की गेंद को पुल करने की कोशिश में गेंद को हवा में लहरा बैठे और श्रेयस अय्यर ने मिड ऑफ से दौड़कर शानदार कैच लपका। इससे प्रसिद्ध को शुरुआती 10 ओवर के अंदर ही अपना चौथा विकेट मिल गया।

कर्नाटक के इस तेज गेंदबाज ने जसप्रीत बुमराह, जवागल श्रीनाथ और मोहम्मद सिराज जैसे तेज गेंदबाज़ों की उस खास सूची में भी जगह बना ली जिन्होंने यह कारनामा किया है।

अफगानिस्तान पर 36 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद जल्दी सिमटने का खतरा मंडराने लगा था लेकिन शाहीदी और उमरजई ने भारतीय गेंदबाजों का डटकर सामना किया और टीम को संकट से बाहर निकाला।

मुझे और मेरे पिता को मारने की साजिश रची जा रही है : तेज प्रताप

पटना/भाषा। जनशक्ति जनता दल (जेजेडी) के प्रमुख तेज प्रताप यादव ने अपने पूर्व सहयोगी आकाश यादव और उसके परिवार के सदस्यों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए उन पर अपनी तथा अपने पिता लालू प्रसाद की हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है।

तेज प्रताप ने शुक्रवार को सचिवालय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा, ''मेरी शिकायत के आधार पर आकाश यादव, उसकी बहन अनुष्का यादव और छह अन्य लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। वे मेरी छवि खराब करने की कोशिश कर रहे हैं। मेरे पिता लालू प्रसाद जी अस्वस्थ हैं। ये लोग मेरी और मेरे पिता की हत्या की साजिश रच रहे हैं।'' उन्होंने मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से उन्हें पर्याप्त सुरक्षा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। शिकायत में नामजद लोगों में अनुष्का यादव भी शामिल हैं। तेज प्रताप ने अपनी शादीशुदा स्थिति के बावजूद अनुष्का के साथ संबंध होने का दावा किया था। इस घटनाक्रम के बाद तेज प्रताप के पिता लालू प्रसाद ने उन्हें राष्ट्रीय जनता दल से निष्कासित कर दिया था।

खेलमंत्री मांडविया ने खिलाड़ी कल्याण नीति का अनावरण किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। खेलमंत्री मनसुख मांडविया ने शनिवार को नई खिलाड़ी कल्याण नीति का अनावरण किया जिसके तहत तनाव के स्तर का पता लगाने के लिए मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग अनिवार्य कर दी गई है और खेलमंत्री ने यह भी कहा कि मदद मांगने वाले खिलाड़ियों की समस्याओं का समाधान बिना किसी भेदभाव या कलंक के किया जायेगा ।

यहां चुनिंदा मीडिया से बातचीत में मांडविया ने कहा कि भारतीय खेल प्राधिकरण के राष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्रों (एनसीओई) और खेल प्रशिक्षण केंद्रों (एसटीसी) को

सख्त निर्देश दिए गए हैं कि खिलाड़ियों की चिंताओं का निवारण पूरी सुरक्षा के बीच किया जाये और उन्हें आश्वासन दिया जाये कि मनोवैज्ञानिक मदद मांगना शक्ति का सूचक है , कमजोरी का नहीं । उन्होंने कहा ,'' यह अनिवार्य नीति हमारा ध्यान साधारण प्रतिभा प्रबंधन से हटाकर खिलाड़ियों पर केंद्रित व्यापक विकास की ओर ले जाती है। इससे एनसीओई और एसटीसी में हमारे खिलाड़ी सुरक्षित रहेंगे ।'' उन्होंने कहा ,'' हमारे युवाओं पर काफी दबाव है , चयन की आशंकाओं से लेकर चोट के डर और घर की याद आने तक । अगर इन पर ध्यान नहीं दिया गया तो थकान के मसले आते हैं । यह फ्रेमवर्क किसी प्रतिभाशाली खिलाड़ी के थकान के कारण मैदान छोड़ने से पहले ही व्यवस्थित ढंग से काम करता है ।'' मांडविया ने कहा ,'' हर खिलाड़ी, जमीनी स्तर से लेकर एलीट श्रेणी तक, औपचारिक या अनौपचारिक रूप से अपनी मानसिक चिंताओं से अवगत करा सकता है । हर क्षेत्रीय केंद्र पर काउंसिलर होंगे । हमें समस्या का इंतजार नहीं करना है ।खिलाड़ी की मनोवैज्ञानिक स्क्रीनिंग पहले दिन से ही शुरू कर देनी है ।''

ईयू ने असम के तीन जिलों को छोड़कर राज्य की यात्रा न करने संबंधी सलाह वापस ली : हिमंत

गुवाहाटी/भाषा। यूरोपीय संघ (ईयू) के सदस्य देशों ने असम की यात्रा नहीं करने की अपनी सलाह वापस ले ली है। हालांकि सशस्त्र बल (विशेष शक्तियां) अधिनियम (अफस्पा) के दायरे में आने वाले तीन जिलों को इसमें अपवाद रखा गया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने बताया कि भारत में ईयू के राजदूत हर्वे डेल्फिन ने असम के मुख्य सचिव को सूचित किया कि शुक्रवार से प्रतिबंध हटा लिया गया है।

मुख्यमंत्री शर्मा ने सोशल मीडिया पर कहा, ''असम में हालात का जायजा लेने के बाद, ईयू ने यात्रा से जुड़ी अपनी नकारात्मक सलाह कल (शुक्रवार) वापस ले ली। ईयू के सभी 27 सदस्य देशों ने अपने नागरिकों के हमारे राज्य में आने पर लगी पाबंदियां हटा ली हैं, सिवाय उन तीन जिलों के चराइदेव, तिनसुकिया और शिवसागर जहां अफस्पा लागू है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका और कनाडा ने अभी तक असम के लिए यात्रा प्रतिबंध नहीं हटाए हैं और राज्य सरकार इस मामले को लेकर उनसे बातचीत कर रही है।

कप्तान के तौर पर दबाव वाले हालात ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है : तिलक वर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दाम्बुला/भाषा। भारत 'ए' के कप्तान तिलक वर्मा ने स्वीकार किया कि यहां चल रहे त्रिकोणीय टूर्नामेंट ने उन्हें दबाव वाली स्थितियों को संभालने के बारे में अहम सबक सिखाए हैं जो रविवार को यहां श्रीलंका 'ए' के खिलाफ होने वाले फाइनल में काम आएंगे।

इस टूर्नामेंट में दो बार तिलक को मेजबान टीम के खिलाफ आखिरी पलों में अहम रणनीतिक फैसले लेने पड़े। एक बार डेथ ओवरों में बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान पर भरोसा करने के उनके फैसले ने भारत को जीत दिलाने में मदद की जबकि श्रीलंका जीत की ओर बढ़ रहा था। दूसरे मामले में तनावपूर्ण मुकाबले के दौरान अरशद को फिर से आखिरी ओवरों में श्रीलंका की बढ़त को रोकने की जिम्मेदारी सौंपी गई लेकिन भारत सुपर ओवर में हार गया। श्रीलंका 'ए' के खिलाफ फाइनल की पूर्व संध्या पर तिलक ने कहा, ''एक कप्तान के तौर पर टूर्नामेंट में बहुत कुछ सीखने को मिलता है, खासकर दबाव वाली स्थितियों को संभालने में। अगर आप देखें तो कुछ मैच बहुत करीबी रहे हैं और कुछ मैचों में मौसम ने बीच में खलल डाला है और डकवर्थ लुईस पद्धति लागू हुई। ''

मुंबई इंडियंस के बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा, ''लेकिन साथ ही, जब टीम को सबसे अच्छे प्रदर्शन की जरूरत होती है तो हम अपना संयम बनाए रखते हैं और अच्छा खेलते हैं। '' फाइनल मुकाबले के महत्व के बावजूद तिलक ने जोर देकर कहा कि उनकी टीम अपने खेलने के तरीके में कोई बदलाव नहीं करेगी। कप्तान ने कहा, ''कल एक बड़ा मैच है और साथ ही हमारे लिए कुछ भी नहीं बदलेगा। टूर्नामेंट के पहले दिन से हमने जो किया है, वही कल भी करेंगे। हमें बस अपनी बुनियादी बातों पर ध्यान देना है, सही मानसिकता रखनी है और हम कल अच्छा प्रदर्शन करना चाहते हैं। '' टूर्नामेंट का आकलन करते हुए तिलक ने कहा, ''निश्चित रूप से अगर आपने देखा हो, तो हर टीम ने अच्छा प्रदर्शन किया है। श्रीलंका और अफगानिस्तान, सभी ने इस टूर्नामेंट में समान रूप से अच्छा खेला है। ''

सुविचार

हमारी सोच ही हमारे जीवन का निर्माण करती है। जैसी आपकी दृष्टि होगी, वैसी ही आपकी सृष्टि होगी।

ट्वीट

बच्चों ने अपना भविष्य रोक दिया है। सिर्फ़ दोबारा एग्जाम कराना काफ़ी नहीं है। और राहुल गांधी जी ने कोटा में जो भी शुरू किया, स्टूडेंट्स और युवाओं से जो बातचीत की, उसमें उन्होंने कोई आरोप नहीं लगाया और न ही कोई पॉलिटिकल बात कही।

-सचिन पायलट

पहाड़पुर गांव के एक स्कूल में जाकर बहुत खुशी हुई। यहां भी, राष्ट्रपति जी एजुकेशनल इंफ्रास्ट्रक्चर को बेहतर बनाने और लोकल युवाओं के लिए मौके पक्का करने में सबसे आगे रहे हैं।

-नरेन्द्र मोदी

कहानी

महेन्द्र तिवारी
मोबाइल : 9989703240

आगरा की सैर

दिल्ली से आगरा तक का सफर हमने कितनी उम्मीदों, कितनी पुरानी यादों और किस कदर उमड़ते उत्साह के साथ तय किया था, यह शायद सिर्फ हम दोनों के दिल ही जानते थे। शादी के बाद जिंदगी जिम्मेदारियों की ऐसी भूलभुलैया में उलझ गई थी कि कहीं चैन से साथ घूमने का, एक दूसरे की आँखों में देखकर सुकून के दो पल बिताने का मौका ही नहीं मिला। पहले करियर की जद्दोजहद, फिर बच्चों की परवरिश और घर परिवार की अनगिनत उलझनें। इन सबके बीच हमारे अपने सपने जैसे कहीं बहुत पीछे छूट गए थे। बरसों बाद जब बच्चों की पढ़ाई थोड़ी पटरी पर आई और घर की जिम्मेदारियों से कुछ राहत मिली, तब मेरी पत्नी ने एक दिन अचानक चाय का कप थमाते हुए कहा था कि जिंदगी पता नहीं कब तक यूँ ही भागती रहेगी। उसने बड़ी मासूमियत से कहा था कि उसे एक बार ताजमहल देखना है। कहते हैं कि मोहब्बत वहाँ जाकर और भी गहरी लगने लगती है, और वह उस एहसास को जीना चाहती थी।

उसकी आँखों में उस वक्त एक ऐसी ललक दिखी जिसे मैंने बरसों से नहीं देखा था। मैंने उसी पल अपने मन में यह तय कर लिया कि इस बार चाहे जो हो जाए, उसकी यह छोटी सी लेकिन बेहद खास इच्छा मैं जरूर पूरी करूँगा। हमने अपनी यात्रा की पूरी योजना बनाई और सफर पर निकल पड़े।

सफर के दौरान वह पूरे रास्ते छोटे बच्चों जैसी उत्सुकता और खुशी में डूबी रही। कभी वह कार की खिड़की से बाहर भागते हुए हरे भरे खेतों को निहारती, कभी आसमान में उड़ते परिंदों को देखती, तो कभी सड़क किनारे तेजी से पीछे छूटते पेड़ों को देखकर मुस्कुरा उठती। बीच-बीच में वह अचानक मेरी तरफ मुड़ती और पूछती कि सच बताइए, ताजमहल तस्वीरों से भी ज्यादा सुंदर होता है क्या? मैं उसकी इस बालसुलभ जिज्ञासा पर हँस देता और उसे चिढ़ाते हुए कहता कि इतिहास गवाह है कि शाहजहाँ ने उसे अपनी बेपनाह मोहब्बत की निशानी के तौर पर बनाया था, अब इतना बड़ा बादशाह भला झूठ तो नहीं बोल सकता। मेरी यह बात सुनकर वह जोर से खिलखिलाकर हँस पड़ती। उसकी वह हँसी मेरे लिए दुनिया की सबसे खूबसूरत आवाज थी।

हमारी कार को आगरा शहर की सीमा में दाखिल होते होते शाम ढलने लगी थी। आसमान पर सूरज की धुंधली लालिमा तैर रही थी और शहर की संकरी सड़कें भारी भीड़, गाड़ियों के शोर और धुएँ से भरने लगी थीं। ट्रैफिक की वजह से हमारी रफ्तार बहुत धीमी हो गई थी। हमें सबसे बड़ा अफसोस इसी बात का हो रहा था कि जिस ताजमहल को देखने के लिए हमने इतनी लंबी योजना बनाई थी, उसे देखने का समय लगभग खत्म हो चुका था।

मेरी पत्नी का खिलखिलाता हुआ चेहरा अचानक उतर गया। उसकी आँखों की चमक की जगह एक गहरी उदासी ने ले ली। उसने भारी मन से पूछा कि क्या इतनी दूर आकर भी हमें ताजमहल देखे बिना ही वापस लौटना पड़ेगा। मैं उसे इस तरह निराश नहीं देख सकता था। मैंने तुरंत माहौल को हल्का करने और उसकी उम्मीद जगाए रखने के लिए कहा कि अभी रात पूरी कहाँ हुई है, अगर आज ताज नहीं देख पाए तो क्या हुआ, चलो आज शाम को आगरा का लाल किला ही देख लेते हैं, कल सुबह इत्मीनान से ताजमहल देखेंगे।

हम जल्दी-जल्दी अपनी गाड़ी पार्क करके आगरा किले की तरफ निकल पड़े। रास्ते में पुरानी इमारतें, भीड़भाड़ वाले सजे हुए बाजार और देश विदेश के पर्यटकों की आवाजाही देखकर आगरा शहर का एक अलग ही ऐतिहासिक रंग महसूस हो रहा था। हर तरफ एक अजीब सी चहल-पहल थी। लेकिन जब हम किले के विशाल मुख्य द्वार तक पहुँचे, तब तक सूरज पूरी तरह डूब चुका था और वहाँ एक गहरा सन्नाटा उतरने लगा था। लाल पत्थर के उस किले के भारी भरकम लोहे के दरवाजे बंद हो चुके थे। वहाँ तैनात गार्ड ने हमें दूर से ही हाथ हिलाकर वापस जाने का इशारा कर दिया।

मेरी पत्नी ने अब पूरी तरह निराश होकर एक लंबी साँस ली और कहा कि लगता है आज हमारी किस्मत ही खराब है, जो चाहा वह कुछ भी नहीं हो पा रहा। मैं भी भीतर से बहुत उदास हो चुका था, मगर उसे यह दिखाना नहीं चाहता था। मैं उसे सांत्वना देने के लिए कुछ शब्द ढूँढ ही रहा था कि तभी किले के बाहर खड़े दो तीन आदमी हमारी तरफ बड़े इत्मीनान से बढ़ते हुए आए। उनके चेहरों पर एक मुस्कान थी। उनमें से एक ने बेहद मीठी आवाज में कहा कि साहब, लगता है पहली बार आगरा आए हो। मैंने बिना कुछ सोचे समझे बस हाँ में सिर हिला दिया। वह तुरंत एक गहरा अपनापन दिखाते हुए बोला कि कोई बात नहीं साहब, निराश क्यों होते हो, असली मजा तो आगरा में रात के वक्त ही आता है। उसने आसमान की तरफ इशारा करते हुए कहा कि आज चाँदनी रात होनेवाली है, यहाँ पीछे से ताजमहल का नजारा ऐसा दिखता है कि लोग बस पलकें झपकाना भूल जाते हैं। उसके दूसरे साथी ने बात को और पुख्ता करते हुए आगे बढ़ाया और कहा कि हम लोग यहीं पर्यटन विभाग के लिए काम करते हैं। अगर आप दोनों चाहें तो हम आपको एक ऐसी बढ़िया जगह से ताज दिखा देते हैं जहाँ से पूरा नजारा साफ दिखता है और वहाँ भीड़भाड़ का भी कोई झंझट नहीं होगा। उनकी बातों में इतना गजब का आत्मविश्वास और ऐसा पक्का भरोसा था कि हमें उनके इरादों पर जरा भी शक नहीं हुआ। उन्होंने खुद को इतने स्वाभाविक और पेशेवर ढंग से हमारे सामने पेश किया कि हमें लगा सचमुच वे इस किले या पर्यटन विभाग से जुड़े हुए कोई कर्मचारी होंगे जो पर्यटकों की मदद करते हैं। मेरी पत्नी, जो ताजमहल न देख पाने की वजह से बेहद मायूस थी, उसने उम्मीद भरी नजरों से मेरी तरफ देखा और धीमे से पूछा कि चलें क्या? मैंने आसपास नजर दौड़ाई। वहाँ कुछ और स्थानीय लोग भी खड़े दिखाई दे रहे थे और सड़क पर गाड़ियाँ चल रही थीं। माहौल बिल्कुल सामान्य और सुरक्षित लग रहा था। मैंने उसकी खुशी के लिए हामी भर दी। उनमें से एक आदमी हमारे साथ आगे चल पड़ा। उसका शरीर दुबला पतला था, आँखों में एक अजीब सी चंचलता थी और होंठों पर एक मुस्कान लगातार बनी हुई थी। वह खुद को एक बहुत जानकार गाइड बता रहा था। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ रहे थे, वह आगरा और मुगलों का इतिहास सुनाने लगा। वह कह रहा था कि साहब क्या आप जानते हैं कि शाहजहाँ ने अपने आखिरी दिन इसी किले की खिड़की से ताजमहल को देखते हुए गुजारे थे। वह बड़ी नाटकीय आवाज में बता रहा था कि चाँदनी रात में ताज का रंग कैसे बदल जाता है, कभी वह दूध जैसा सफेद दिखता है तो कभी हल्का नीला हो जाता है।

मेरी पत्नी उसकी ये सब बातें बड़े ध्यान और कौतूहल से सुन रही थी। वह सचमुच बहुत खुश लग रही थी। शायद उसे यह महसूस हो रहा था कि हमारी यह अधूरी और निराश करने वाली शाम अब एक बेहद खास और यादगार शाम में बदलने वाली है। लेकिन धीरे धीरे हम मुख्य और रोशन रास्ते से काफी दूर होते चले गए। सामने एक पुराना और वीरान गार्डन जैसा इलाका था। वहाँ लोगों की आवाजाही पूरी तरह से खत्म हो चुकी थी। रोशनी के नाम पर सिर्फ दूर जलती हुई स्ट्रीट लाइट की हल्की चमक थी। पेड़ों की लंबी और भयानक परछाइयाँ जमीन पर ऐसे फैली थीं जैसे कोई जाल बिछा हो। हवा में एक अजीब भारी सन्नाटा था जो दिल में अनजाना खौफ पैदा कर रहा था। एक पल के लिए मेरे मन में हल्की बेचैनी हुई। मैंने रुककर उस गाइड से पूछा कि अभी और कितना दूर चलना है? वह फिर से उसी मुस्कान के साथ बोला कि बस साहब, सिर्फ दो मिनट की बात और है, वहाँ सामने उस ऊँचे टीले के ऊपर से पूरा का पूरा ताज आपके सामने होगा। हम चलते हुए एक ऊँचे टीले जैसी सुनसान जगह पर पहुँच गए। वहाँ दूर-दूर तक घना अंधेरा फैल चुका था। शहर की वह चहल-पहल और हल्की रोशनियाँ कहीं बहुत पीछे छूट गई थीं। अचानक मुझे महसूस हुआ कि आसपास का माहौल जरूरत से ज्यादा शांत है। यहाँ तो परिंदों की आवाज तक नहीं आ रही थी।

तभी पीछे से सूखी पत्तियों के चरमराने और भारी कदमों की आवाज आई। हमने चौंककर पीछे मुड़कर देखा। अंधेरे को चीरते हुए पाँच हट्टे-कट्टे आदमी हमारी तरफ तेजी से बढ़ रहे थे। उनके हाथों में मोटी और मजबूत लाठियाँ थीं। उनके चेहरों पर एक क्रूर कठोरता थी और उनकी आँखों में किसी भूखे जानवर जैसी खतरनाक मंसूबे दिखाई दे रहे थे। मेरी पत्नी बुरी तरह घबरा गई और सिहर कर मेरे बिल्कुल करीब आ गई। उसने मेरा हाथ बहुत जोर से पकड़ लिया। कुछ ही सेकंड के भीतर उन पाँचों आदमियों ने हमें चारों ओर से घेर लिया। हमारे भागने का हर रास्ता बंद हो चुका था।

उन सब में से एक आदमी जो उनका मुखिया लग रहा था, वह सबसे अलग था। उसका कद काफी लंबा था, शरीर बहुत भारी था और उसके चेहरे पर घनी और ऊपर की तरफ उठी हुई मूँछें थीं जो उसे और भी खूंखार बना रही थीं। उसकी लाल आँखें सीधे मेरी पत्नी के गहनों, हमारी जेबों और हमारे सामान पर टिकी हुई थीं। उसने बेहद कड़क और खुरदरी आवाज में हमसे पूछा कि कहाँ से आए हो तुम लोग। मैंने अपने डर को छिपाते हुए किसी तरह जवाब दिया कि हम दिल्ली से आए हैं। वह एक कदम और आगे बढ़ा और गुर्राते हुए बोला कि क्या करते हो तुम। उसकी उस आवाज में सवाल कम था और एक बहुत बड़ी धमकी ज्यादा थी। उसी क्षण मेरे दिमाग में बिजली सी कौंध गई और मुझे पूरी तरह समझ आ गया कि हम एक बहुत भयानक जाल में फँस चुके हैं और ये लोग लूटपाट या उससे भी बुरा कुछ करने के इरादे से आए हैं। मेरी पत्नी का हाथ मेरे हाथों में बुरी तरह काँप रहा था। डर के मारे उसके चेहरे का सारा रंग उड़ चुका था और उसकी साँसें अटक गई थीं। मेरे अपने मन में भी एक पल के लिए खौफ की एक बहुत तेज लहर उठी। वह जगह इतनी सुनसान और वीरान थी कि वहाँ हमारी मदद करने वाला दूर-दूर तक कोई नहीं पहुँचने वाला था। अगर ये खूंखार लोग हम पर हमला कर देते, तो शायद हमारी चीखें भी उस अंधेरे को पार करके सड़क तक नहीं पहुँच पातीं।

लेकिन मुझे यह भी पता था कि ऐसे विकट समय में घबराहट इंसान की सबसे बड़ी दुश्मन होती है। अगर मैं कमजोर पड़ा तो हम दोनों नहीं बचेंगे। मैंने अपनी पूरी मानसिक ताकत को इकट्ठा किया और खुद को बहुत मजबूती से संभाला। मैंने बिना पलक झपकाए सीधा उस मूँछों वाले मुखिया की आँखों में घूरते हुए बेहद दृढ़ और सख्त आवाज में कहा कि मैं फौजी हूँ।

मेरे मुँह से निकले इन शब्दों ने जैसे वहाँ के पूरे माहौल और हवा का रुख ही बदल कर रख दिया। उन सभी लोगों के चेहरों पर अचानक एक गहरा तनाव और असमंजस उभर आया। उस मूँछों वाले आदमी की आँखों में जो कठोरता और शिकार करने की चमक थी, वह कुछ ही पल में ढीली पड़ गई। उसने घबराहट में अपने साथियों की तरफ देखा। पीछे खड़े एक लठैत ने थोड़ी सहमी हुई आवाज में धीमे से पूछा कि क्या सच में फौज में हो? मैंने उसी आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ अपना सीना चौड़ा करते हुए कहा कि हाँ मैं फौज में हूँ और अभी छुट्टी लेकर सीधा यहाँ आया हूँ।

वहाँ अगले कुछ सेकंड तक एक बहुत ही अजीब और भारी सन्नाटा पसरा रहा। हवा में जैसे तनाव जमे हुए बर्फ की तरह था। फिर मैंने देखा कि जो लोग अभी तक हमें अपना शिकार समझकर घेरकर खड़े थे, वे धीरे-धीरे अपने कदम पीछे हटाने लगे। उनके चेहरे पर अब पहले जैसा वह जालिम रौब बिल्कुल नहीं था।

मूँछों वाला आदमी बिना एक भी शब्द कहे वहाँ से मुड़ा और तेजी से अंधेरे की तरफ बढ़ गया। उसे जाता देख बाकी के चारों लोग भी बिना कोई आवाज किए उसके पीछे-पीछे अंधेरे में खिसकने लगे। कुछ ही पलों में वे सब उस भयानक सन्नाटे में कहीं गायब हो गए। लेकिन वह गाइड, जो हमें इस मौत के कुएँ तक लाया था, वह अब भी हमारे पास खड़ा था। उसकी वह मुस्कान अब पूरी तरह गायब हो चुकी थी और उसके चेहरे पर हवाईयाँ उड़ रही थीं। मगर वह अपनी जान बचाने के लिए बात को संभालने की कोशिश कर रहा था। वह हकलाते हुए बोला कि अरे साहब आप लोग तो बिल्कुल गलत समझ गए, यहाँ कोई खतरे वाली बात नहीं थी, हम तो बस आपको ताज दिखाने के लिए लाए थे, वे लोग तो बस ऐसे ही यहाँ से गुजर रहे होंगे। उसकी काँपती आवाज में उसका झूठ और उसकी घबराहट साफ दिखाई दे रही थी। तभी मेरी पत्नी ने मेरा हाथ और भी कसकर पकड़ लिया। उसकी उँगलियाँ बर्फ की तरह ठंडी पड़ चुकी थीं। वह रोने को हो रही थी और धीरे से फुसफुसाते हुए बोली कि यहाँ से इसी वक्त चलिए, यहाँ एक पल भी रुकना बिल्कुल ठीक नहीं है। मैं भी अच्छी तरह समझ गया था कि अब इस धोखेबाज आदमी से बहस करने का मतलब है किसी नए खतरे को दावत देना।

हम तुरंत वहाँ से मुड़े और बेहद तेज कदमों से नीचे मुख्य सड़क की तरफ उतरने लगे। हमारे भीतर इतना खौफ भरा था कि पीछे मुड़कर देखने की हिम्मत ही नहीं हो रही थी। रास्ते में सूखी पत्तियों की हर आहट और हवा के झोंके पर ऐसा लगता जैसे कोई पीछे से फिर हमारे ऊपर झपटने आ रहा है। वह रास्ता जो आते वक्त बहुत छोटा लगा था, अब खत्म होने का नाम ही नहीं ले रहा था। अंधेरे में हिलती हुई पेड़ों की परछाइयाँ भी अब किसी राक्षस जैसी डरावनी लग रही थीं। मेरी पत्नी पूरे रास्ते बिल्कुल चुप रही लेकिन उसकी साँसें बहुत तेज चल रही थीं।

कुछ दूर बेतहाशा चलने के बाद आखिरकार हमें मुख्य सड़क की वह पीली रोशनी दिखाई दी। वहाँ पहुँचकर हमने देखा कि दो तीन ऑटो रिक्शा खड़े हैं और कुछ लोगों की चहल पहल है। वह रोशनी देखकर हमारी जान में जान आई और दिल की धड़कन थोड़ी सामान्य होना शुरू हुई। हम बिना एक पल गंवाए अपने कार से होटल की तरफ निकल गए। कार में बैठने के बाद भी मेरी पत्नी का शरीर लगातार काँप रहा था। मैंने उसे अपने करीब किया और उसका हाथ मजबूती से थाम लिया। कुछ देर बाद उसके सब्र का बाँध टूट गया और उसकी आँखों से आँसुओं की धारा बह निकली। उसने रुंधे हुए गले से मुझसे पूछा कि अगर आज वहाँ सच में कुछ हो जाता तो हमारा और हमारे बच्चों का क्या होता। उस खौफनाक सवाल का मेरे पास कोई जवाब नहीं था। मैं बस चुपचाप कार की खिड़की से बाहर भागते हुए अंधेरे शहर को देखता रहा। मेरे मन के भीतर बार-बार वही भयानक दृश्य किसी फिल्म की तरह घूम रहा था। वह सुनसान गार्डन, वह चमकती हुई लाठियाँ, हमें घेरते हुए वे भारी कदम और वह खामोश कर देने वाला मौत का डर।

उस रात होटल के सुरक्षित कमरे में पहुँचने के बाद भी हम दोनों में से किसी को पल भर के लिए भी नींद नहीं आई। बाहर सड़क पर गुजरती हुई गाड़ियों की आवाजें रात भर सुनाई देती रहीं और हर छोटी सी आहट पर हमें ऐसा लगता जैसे कोई हमारे कमरे का दरवाजा खटखटा रहा हो या उसे तोड़ने की कोशिश कर रहा हो।

अगली सुबह जब आसमान में सूरज पूरी तरह से निकला और शहर में रोशनी फैली, तब जाकर हमारे मन का वह खौफ थोड़ा शांत हुआ। हम आखिरकार अपनी योजना के मुताबिक ताजमहल देखने गए। नीले आसमान के नीचे सफेद संगमरमर पर पड़ती हुई सुबह की वह सुनहरी धूप सचमुच बहुत अद्भुत और जादुई लग रही थी। वह नजारा स्वर्ग जैसा था, मगर पिछली रात का वह खौफनाक डर अब भी हमारे भीतर जिंदा था।

मेरी पत्नी ने काफी देर तक ताजमहल की उस बेदाग खूबसूरती की तरफ देखते रहने के बाद बहुत ही धीमे स्वर में कहा कि जिंदगी भी कितनी अजीब है, कभी-कभी इंसान दुनिया की सबसे नायाब खूबसूरती देखने निकलता है और अचानक उसे दुनिया का सबसे घिनौना और डरावना चेहरा देखने को मिल जाता है। मैंने उसकी इस गहरी बात को सुना और पूरी तरह सहमत होते हुए बस चुप रहा।

आज इस भयानक घटना को बीते हुए कई साल हो चुके हैं। हमारी जिंदगी फिर से अपनी उसी पुरानी रफ्तार से चल पड़ी है। लेकिन आज भी जब कभी उस रात का जिक्र होता है या वह मंजर याद आता है, तो मेरी रूह भीतर तक काँप उठती है। मैं अक्सर अकेले में बैठकर यह सोचता हूँ कि अगर उस खौफनाक पल में मेरे दिमाग में खुद को फौज से जुड़ा हुआ बताने का वह विचार न आया होता, तो शायद वे बेरहम लोग हमें अपना बहुत आसान शिकार समझकर न जाने हमारा क्या हश्र करते। उस रात मैंने मौत के डर को इतने करीब से नहीं देखा था, जितना यह महसूस किया था कि हमारे देश में भारतीय फौज की वर्दी सिर्फ एक कपड़ा नहीं, बल्कि आम नागरिकों के लिए अटूट विश्वास का दूसरा नाम होता है। यह वह सम्मान है, जिसके सामने अपराधी भी थर्रा उठते हैं। कई बार यही वर्दी किसी बेबस इंसान के लिए सबसे मजबूत, सबसे अभेद्य ढाल बन जाती है।

संजय उवाच

संजय भारद्वाज
9890122603
writersanjay@gmail.com

क्या चल रहा है?

एक विज्ञापन बहुत लोकप्रिय हुआ था, 'क्या चल रहा है?' उत्तर मिलता था, 'फलां-फलां बॉडी-स्प्रे चल रहा है।' इसी तर्ज़ पर एक मित्र से पूछा, 'क्या चल रहा है?' उत्तर मिला, 'यही सोच रहा हूँ कि इतना जीवन बीत गया, क्या किया और क्या कर रहा हूँ? जीवन में क्या चल रहा है?' उत्तर चिंतन को दिशा दे गया।

वस्तुतः यह प्रश्न हरेक को अपने आपसे अवश्य करना चाहिए-'क्या चल रहा है?' दिन में जितनी बार आईना देखते हो, उतनी बार पूछो खुद से-'क्या चल रहा है?' बकौल डॉ. हरिवंशराय बच्चन-'जीवन सब बीत गया, जीने की तैयारी में।' चौबीस घंटे भौतिकता के संचय में डूबा मनुष्य जीवन में भौतिकता का भी उपभोग नहीं कर पाता। संचित धन को निहारने, हसरतें पालने और सब कुछ धरा पर धरा छोड़कर चले जानेवाले से बड़ा बावरा भिखारी और कौन होगा? पीछे दुनिया हँसती है-'संपदा तो थी पर ज़िंदगी भर 'मंगता' ही रहा।'

बड़ा प्रश्न है कि क्या साँसें भी विधाता द्वारा प्रदत्त संपदा नहीं हैं? प्राणवायु अवशोषित करना-कार्बन डाय ऑक्साइड उत्सर्जित करना, इतना भर नहीं होता साँस लेना। मरीज़ 'कोमा' में हो तो रिश्तेदार कहते हैं-' कुछ बचा नहीं है, बस किसी तरह साँसें भर रहा है।' हम में से अधिकांश लोग एक मानसिक 'कोमा' में हैं। साँसें भर रहे हैं, समय स्वतः जीवन में कालावधि जोड़ रहा है। काल के आने से पूर्व मिलनेवाली अवधि-कालावधि। हम अपनी सुविधा से 'काल' का लोप कर 'अवधि' के मोह में पड़े बस साँसें भर रहे हैं। फिर एक दिन एकाएक प्रकट होगा काल और पूछेगा-'क्या चल रहा है?' जीवन भर सटीक उत्तर देनेवाला भी काल के आगे हकलाने लगता है, बौरा जाता है, सूझता कुछ भी नहीं।

एक साधु से शिष्य ने पूछा कि क्या कोई ऐसी व्यवस्था की जा सकती है जिसमें मनुष्य की मृत्यु का समय उसे पहले से पता चला जाए। ऐसा हो सके तो हर मनुष्य अपने जीवन में किए जा सकनेवाले कार्यों की सूची बनाकर निश्चित समय में उन्हें पूरा कर सकेगा, मृत्यु के समय किसी तरह का पश्चाताप नहीं रहेगा। साधु ने कहा, 'जगत का तो मुझे पता नहीं पर तेरी मृत्यु आठ दिन बाद हो जाएगी। सारे काम उससे पहले कर लेना।' कहकर साधु आठ दिन की यात्रा पर चले गए। इधर गुरु का वाक्य सुनना भर था कि शिष्य का चेहरा पीला पड़ गया। वह थरथर काँपने लगा। खड़े-खड़े उसे चक्कर आने लगा। कुछ ही मिनटों में उसने खटिया पकड़ ली। खाना-पीना छूट गया, हर क्षण उसे काल सिर पर खड़ा दिखने लगा। आठ दिन में तो वह सूख कर काँटा हो चला। यात्रा से लौटकर गुरु जी ने पूछा, 'क्यों पुत्र, सब काम पूरे कर लिए न?' शिष्य सुबकने लगा। आँखों में बहने के लिए जल भी नहीं बचा था। कहा, 'गुरु जी, कैसे काम और कैसी पूर्ति? मृत्यु के भय से मैं तो अपनी सुध-बुध भी भूल गया हूँ। कुछ ही क्षण बचे हैं, काल बस अब प्राण हरण कर ही लेगा।' गुरु जी मुस्कराए और बोले, ' यदि मृत्यु की पूर्व जानकारी देने की व्यवस्था हो जाए तो जगत की वही स्थिति होगी जो तुम्हारी हुई है।...और हाँ सुनो, तुमसे असत्य बोलने का प्रायश्चित करने मैं आठ दिन की साधना पर गया था।

तुम्हारी और मेरी भी मृत्यु कब होगी, मैं नहीं जानता।'

काल आया भी नहीं था, उसकी काल्पनिक छवि से यह हाल हुआ। वह जब साक्षात सम्मुख होगा तब क्या स्थिति होगी? जीवन ऐसा जिओ कि काल के आगे भी स्मित रूप से जा सको, उसके आगमन का भी आनंद मना सको। जैसा पहले कहा गया-साँस लेना भर नहीं होता जीवन। शब्द है-'श्वासोच्छवास।' प्रकृति में कोई भी प्रक्रिया एकांगी नहीं है। लेने के साथ देना भी जुड़ा है। जीवन भर लेने में, बटोरने में लगे रहे, भिखारी बने रहे। संचय होते हुए भी देने का मन बना ही नहीं, दाता कभी बन ही नहीं सके।

जीवन सरकती बालू वाले टाइमर की तरह है। रेत गति से सरक रही है, अवधि रीत रही है। काल निकट और निकट, सन्निकट है। कोई पूछे, न पूछे, बार-बार पूछो अपने आप से- 'क्या चल रहा है?' अपने उत्तर आप जानो पर हरेक पर अनिवार्य रूप से लागू होनेवाला मास्टर उत्तर स्मरण रहे-काल चल रहा है।

बोध कथा

सियार और जादुई ढोल

बात एक समय की बात है, जब एक जंगल के पास दो राजाओं के बीच युद्ध हुआ। उस युद्ध में एक की जीत और दूसरे की हार हुई। युद्ध खत्म होने के एक दिन बाद तेज आंधी चली, जिस कारण युद्ध के दौरान बजाया जाने वाला ढोल लुड़क कर जंगल में चला जाता है और एक पेड़ के पास जाकर अटक जाता है। जब भी तेज हवा चलती और पेड़ की टहनी ढोल पर पड़ती, तो ढमाढम-ढमाढम की आवाज आने लगती थी।

उसी जंगल में एक सियार खाने की तलाश में इधर-उधर भटक रहा था और अचानक उसकी नजर गाजर खा रहे खरगोश पर पड़ती है। सियार उसे शिकार बनाने के लिए सावधानी से आगे बढ़ता है। जब वह खरगोश पर झपटा मारता है, तो खरगोश उसके मुंह में गाजर को फंसाकर भाग जाता है। किसी तरह से सियार गाजर को मुंह से बाहर निकालकर आगे बढ़ता है, तो उसे ढोल की तेज आवाज सुनाई देती है। वह ढोल की आवाज सुनकर घबरा जाता है और सोचने लगता है कि उसने पहले कभी किसी जानवर की ऐसी आवाज नहीं सुनी। जहां से ढोल की आवाज आ रही थी, सियार उस ओर जाता है और यह जानने की कोशिश करता है कि जानवर उड़ने वाला है या चलने वाला।

फिर वह ढोल के पास जाता है और उस पर हमला करने के लिए कूदता है, तो ढम की आवाज आती है, जिसे सुनकर सियार छलांग लगा कर उतर जाता है और पेड़ के पीछे छुपकर देखने लगता है। कुछ मिनट बाद किसी तरह की प्रतिक्रिया न होने पर वह फिर से ढोल पर हमला करता है और फिर से ढम की आवाज आती है और वह फिर से ढोल से कूदकर भागने लगता है, लेकिन इस बार वह वहीं पर रुककर मुड़कर देखता है। ढोल में किसी भी तरह की हलचल न होने पर वह समझ जाता है कि यह कोई जानवर नहीं है।

फिर वह ढोल पर कूद-कूद कर ढोल को बजाने लगता है। इससे ढोल हिलने लगता है और लुड़कने भी लगता है, जिससे सियार ढोल से गिर जाता है और ढोल बीच में से फट जाता है। ढोल के फटने पर उसमें से विभिन्न तरह के स्वादिष्ट भोजन निकलते हैं, जिसे खाकर सियार अपनी भूख को शांत करता है।

वीर गाथा

लेफ्टिनेंट धीरेंद्र सिंह अत्री : खून से लथपथ होकर भी आतंकवादियों का किया सफाया

लेफ्टिनेंट धीरेंद्र सिंह अत्री का जन्म 12 सितंबर, 1978 को मध्य प्रदेश के महू में हुआ था। उनके पिता देवेंद्र सिंह अत्री बतौर ब्रिगेडियर भारतीय सेना में सेवा दे चुके हैं। उनके दादा भी सेना में थे, जो प्रथम विश्वयुद्ध में शामिल हुए थे। धीरेंद्र सिंह ने होटल मैनेजमेंट की पढ़ाई की थी। वे लगभग छह महीने तक एयरपोर्ट मैनेजर रहे थे। इस दौरान उनका भारतीय सेना में चयन हो गया। वे दिसंबर 2002 में आईएमए से पास आउट हुए थे। उन्हें 3 राजपूत बटालियन में तैनात किया गया था।

उस समय जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा ज़िले में कई आतंकवादी सिर उठा रहे थे। इसके मद्देनज़र सेना ने 'ऑपरेशन रक्षक' के तहत बटालियन को कुपवाड़ा में तैनात किया था। 18 अक्टूबर, 2003 को सेना को कुछ आतंकवादियों की मौजूदगी के बारे में खुफिया सूचना मिली। उसका विश्लेषण करने के बाद कुपवाड़ा के घने जंगलों में घेराबंदी और तलाशी अभियान चलाया गया। उस अभियान की जिम्मेदारी लेफ्टिनेंट धीरेंद्र को सौंपी गई थी। जब जवान उस इलाके में पहुंचे तो आतंकवादियों ने उन पर गोलीबारी की। यह देखकर धीरेंद्र ने तुरंत मोर्चा संभाला। वे आतंकवादियों की ओर बढ़े। इससे सारे आतंकवादी उन पर गोलीबारी करने लगे। उनके इस कदम से जवानों को प्रहार करने के लिए जरूरी समय मिल गया।

लेफ्टिनेंट धीरेंद्र ने दो आतंकवादियों को मार गिराया। हालांकि इस दौरान उन्हें भी कई गोलियां लगीं। धीरेंद्र ने हार नहीं मानी। वे आगे बढ़े और तीसरे आतंकवादी को मार गिराया। वे अपने जवानों को जरूरी आदेश देते रहे। इससे प्रेरित होकर जवानों ने जोरदार धावा बोला और बाकी पांच आतंकवादियों को धराशायी कर दिया। सेना का अभियान पूरी तरह सफल रहा, लेकिन लेफ्टिनेंट धीरेंद्र सिंह अत्री वीरगति को प्राप्त हो गए। उस समय उनकी उम्र सिर्फ 25 साल थी। लेफ्टिनेंट धीरेंद्र के साहस और बलिदान को हम सब नमन करते हैं। उन्हें कीर्ति चक्र से सम्मानित किया गया।

महत्त्वपूर्ण
Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- दक्षिण भारत राष्ट्रमत

स्वतंत्र भारत के इतिहास में मोदी के 12 वर्ष का अध्याय स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा : अमित शाह

कोल्हापुर/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल को स्वतंत्र भारत के इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान मिलेगा और उनके कार्यकाल को एक पुनरुत्थानशील राष्ट्र के निर्माण एवं विश्वभर में देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए याद किया जाएगा।

शाह ने कहा कि पुनरुत्थानशील भारत के निर्माण और देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल का अध्याय स्वर्णाक्षरों में लिखा जाएगा।

शाह ने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में देवी अंबाबाई मंदिर गलियारा परियोजना की शुरुआत करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए कहा, ''जब स्वतंत्र भारत का इतिहास लिखा जाएगा तो प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 12 वर्ष के कार्यकाल का अध्याय एक पुनरुत्थानशील भारत के निर्माण और दुनियाभर में देश की प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए दर्ज किया जाएगा।'' उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 वर्ष में ऐसे कई काम पूरे हुए, जिन्हें कभी असंभव माना जाता था। शाह ने इस संदर्भ में अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण, काशी विश्वनाथ गलियारे के पुनर्विकास, केदारनाथ और बदरीनाथ धामों में किए गए कार्यों तथा सोमनाथ एवं कामाख्या मंदिरों से जुड़ी परियोजनाओं का उल्लेख किया।

शाह ने कहा कि ''विकास भी, विरासत भी'' के मंत्र के तहत देशभर में सांस्कृतिक पुनर्जागरण हो रहा है। उन्होंने अंबाबाई मंदिर गलियारे को भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक और कदम बताया। उन्होंने कहा कि 500 करोड़ रुपए की लागत वाली यह परियोजना 28,058 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित की जाएगी। इसके तहत सातवीं शताब्दी के ऐतिहासिक मंदिर को कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित सुरक्षा व्यवस्था, एलईडी प्रकाश व्यवस्था, विरासत दीर्घाओं, प्रकाश एवं ध्वनि कार्यक्रम, बहुउद्देश्यीय सभागार और अन्य सुविधाओं से लैस आधुनिक तीर्थस्थल में बदला जाएगा।

शाह ने कहा कि महालक्ष्मी मंदिर और उसके आसपास स्थित 41 मंदिरों का पुरातत्व विभाग के परामर्श से संरक्षण किया जाएगा। उन्होंने परियोजना शुरू करने के लिए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और महाराष्ट्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा, ''जिन स्थानों में हमारा इतिहास, धर्म और संस्कृति बसती है, उनपर 1,500 करोड़ रुपए खर्च करना कोई बड़ी राशि नहीं है। ऐसे स्थान पूरे देश को प्रेरणा देते हैं।''

शाह ने कहा कि मोदी ने हाल में देश के सबसे लंबे समय तक पद पर रहने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनकर रिकॉर्ड बनाया है।

क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स में वीआईटी का शानदार प्रदर्शन

597वां स्थान हासिल किया

वेल्लोर/दक्षिण भारत। वीआईटी यूनिवर्सिटी ने प्रतिष्ठित क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स 2027 में 597वां स्थान हासिल किया है। ग्लोबल हायर एजुकेशन एनालिसिस फर्म क्यूएस क्वाक्रेरेली साइमंड्स ने अपनी 'वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग' का ताजा संस्करण जारी किया है। इसमें दुनियाभर के 1,500 से ज़्यादा संस्थानों का मूल्यांकन पांच मुख्य पैमानों- 'रिसर्च एंड डिस्कवरी, लर्निंग एक्सपीरियंस, एम्प्लॉयबिलिटी, इंटरनेशनल एंगेजमेंट और सस्टेनेबिलिटी', के आधार पर किया गया है।

इस साल वीआईटी ने शानदार प्रदर्शन किया है। उसने साल 2026 में अपनी पिछली 691वीं रैंकिंग से 94 स्थानों की उन्नति की है। वीआईटी के चांसलर डॉ. जी विश्वनाथन ने कहा, 'बेहद प्रतिस्पर्धी वैश्विक माहौल में, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में वीआईटी यूनिवर्सिटी का उल्लेखनीय सुधार गर्व की बात है।'

उन्होंने कहा, 'यूनिवर्सिटी ने सस्टेनेबिलिटी कैटेगरी में भी बेहतरीन प्रदर्शन किया और साल 2026 की रैंकिंग में दुनियाभर में 352वां और भारत में 7वां स्थान हासिल किया है।

इंजीनियरिंग और टेक्नोलॉजी के लिए क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग्स बाय सब्जेक्ट 2026 में, वीआईटी को दुनियाभर में 119वीं और भारतीय संस्थानों में छठी रैंक मिली है। शिक्षण में इनोवेशन और रिसर्च के क्षेत्र में क्रांतिकारी प्रगति के ज़रिए, वीआईटी का लक्ष्य दुनिया की टॉप 200 यूनिवर्सिटीज़ में जगह बनाना है।'

शनिवार को मुंबई के गोरेगांव स्थित नेस्को सेंटर में एक कार्यक्रम के दौरान अपनी अदाएं बिखेरतीं अभिनेत्री नाभा नटेश।

शुरुआत में 'नमक इस्क का' नहीं गाना चाहती थीं : रेखा भारद्वाज

नई दिल्ली/भाषा। रेखा भारद्वाज का कहना है कि वह शुरू में 'ओमकारा' में 'नमक इस्क का' नहीं गाना चाहती थीं, लेकिन निर्देशक-संगीतकार विशाल भारद्वाज उनको इस फिल्म में लेने को इच्छुक थे।भारद्वाज ने रेखा से इस गाने को पहले गंवाया था और उसे अपने मोटोरोला फ्लिप फोन पर रिकार्ड किया था।मध्यकाल के मशहूर अंग्रेजी नाटककार विलियम शेक्सपियर के नाटक 'ओथेलो' पर आधारित फिल्म 'ओमकारा' के निर्माण के दौरान विशाल भारद्वाज अक्सर अपनी पत्नी और गायिका रेखा भारद्वाज के साथ संगीत की रचना और गीतों को लेकर चर्चा करते थे।रेखा भारद्वाज ने बताया कि 'नमक इस्क का' गीत में जो ऊंचे सुर सुनाई देते हैं, वे शुरुआत में इस गाने

का हिस्सा नहीं थे।रेखा भारद्वाज ने कहा, जब 'नमक इस्क का' बना, तो वास्तव में यह मेरी एक उपलब्धि थी। विशाल उस समय गीतों की तैयारी और धुनें बनाने में व्यस्त थे। उनके पास बहुत कम समय होता था, इसलिए जब भी वह एक-दो पंक्तियां तैयार करते, मेरे पास आकर उन्हें गाकर सुनाते और पूछते, 'क्या यह अच्छा लग रहा है? क्या इसे और आगे बढ़ाना चाहिए?'

गायिका ने पीटीआई-भाषा से बातचीत में कहा, 'नमक इस्क का' से पहले मैं ज्यादातर भावनात्मक, उदास और रूहानी गीत ही गाती थी, क्योंकि मुझे लगता था कि मैं सिर्फ इसी तरह के गाने गा सकती हूं। रेखा भारद्वाज के अनुसार, उस समय उनका 'रियाज़' अपने चरम पर था और विशाल भारद्वाज अक्सर फिल्म के लिए तैयार किए गए अपने गीत उनकी आवाज में सुनते थे।विशाल भारद्वाज की फिल्म 'ओमकारा' 28 जुलाई को अपने जारी होने के 20 वर्ष पूरे करने जा रही है।फिल्म 'ओमकारा' में अजय देवगन, सैफ अली खान, करीना कपूर खान, विवेक ओबेरॉय, बिपाशा बसु, कोंकणा सेन शर्मा, नसीरुद्दीन शाह और दीपक डोबरियाल ने प्रमुख भूमिकाएं निभाई थीं।वर्ष 2006 में रिलीज हुई यह अपराध-प्रधान ड्रामा फिल्म हिंदी सिनेमा में साहित्यिक कृतियों के सर्वश्रेष्ठ रूपांतरणों में से एक मानी जाती है।

'अब होगा हिसाब' की शूटिंग के दौरान घर जैसा महसूस हुआ : निमरत कौर

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री निमरत कौर अहलूवालिया इन दिनों अपनी आने वाली सीरीज 'अब होगा हिसाब' को लेकर चर्चा में हैं। इसमें वहपंजाब की लड़की का किरदार निभा रही है। इस सीरीज की शूटिंग के दौरान उन्हें कैसा महसूस हुआ, इस पर उन्होंने खुलकर बात की। निमरत कौर अहलूवालिया ने कहा, ''इस सीरीज में मैं पंजाब की लड़की का किरदार निभा रही हूं। चूंकि मैं खुद भी पंजाबी हूं, इसलिए शूटिंग के दौरान मुझे हर चीज काफी जानी-पहचानी लगी। पंजाब की भाषा, वहां के लोग और वहां की संस्कृति मेरे लिए कुछ भी नई नहीं थी। यही वजह रही कि किरदार निभाते समय मुझे किसी तरह का दबाव महसूस नहीं हुआ और मेरा प्रदर्शन स्वाभाविक रूप से सामने आया।'' अभिनेत्री ने कहा, ''शूटिंग के पहले दिन से ही मुझे ऐसा महसूस हो रहा था, जैसे मैं किसी सेट पर नहीं बल्कि अपने घर में हूं। आसपास का माहौल और लोगों से बातचीत के चलते मैं जल्दी ही उस वातावरण में घुल-मिल गई। मेरा मानना है कि जब कलाकार अपने माहौल से जुड़ा हुआ महसूस करता है, तो उसका असर सीधे उसके अभिनय पर दिखता है। इसी वजह से मैं अपने किरदार में ज्यादा सहज और वास्तविक महसूस कर पाई।'' निमरत कौर ने कहा, ''इस प्रोजेक्ट में मुझे सबसे बड़ी राहत इस बात की थी कि मुझे किसी नई जगह या नई संस्कृति में खुद को ढालने की जरूरत नहीं पड़ी। मैं बिना किसी दबाव के सीधे किरदार की भावनाओं पर ध्यान दे सकी और मैंने पूरी तरह से कहानी में खुद को डूबो दिया।''

सीरीज की शूटिंग के अनुभव को याद करते हुए उन्होंने बताया, ''इस पूरे सफर को खास बनाने में डायरेक्टर का बड़ा योगदान रहा। डायरेक्टर ने सेट पर ऐसा माहौल तैयार किया जिसमें हर कलाकार खुद को सहज महसूस कर सके। खासकर जब कहानी भावनात्मक रूप से भारी हो, तब एक सकारात्मक माहौल होना बहुत जरूरी होता है।'' अभिनेत्री निमरत कौर ने कहा, पूरी टीम के बीच मजबूत तालमेल था। हर कोई एक-दूसरे के साथ मिलकर काम कर रहा था।

मेरे को-स्टार संजय कपूर के साथ काम करना भी मेरे लिए एक खास अनुभव रहा। वह भी मेरी तरह पंजाबी हैं, इसलिए हमारा अलग ही बॉन्ड था। शूटिंग के दौरान हमने खूब सारी बातचीत और हंसी-मजाक किया। अभिनेत्री ने पंजाब के स्थानीय लोगों की तारीफ करते हुए कहा, यहां के लोगों ने हमें बहुत प्यार दिया। कई बार स्थानीय परिवारों ने शूटिंग यूनिट के लिए अपने घर का बना खाना भेजा। जब लोग इस तरह से दिल से स्वागत करते हैं, तो शूटिंग टीम खुद को बाहरी नहीं, बल्कि उसी समुदाय का हिस्सा महसूस करने लगती है।

सलमान खान की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट में टली सुनवाई, 'काला हिरण' मामले में अगली तारीख 1 जुलाई तय

नई दिल्ली/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की ओर से फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' की रिलीज पर रोक लगाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर शुक्रवार को दिल्ली हाई कोर्ट ने सुनवाई टाल दी है। अदालत ने इस मामले में अगली सुनवाई की तारीख 1 जुलाई तय की है। फिल्म निर्माताओं की ओर से अदालत में कहा गया कि उन्हें सलमान खान की तरफ से दाखिल की गई पूरी याचिका की कॉपी अभी तक नहीं मिली है। उन्हें सिर्फ एक आवेदन की कॉपी दी गई है। इस पर जस्टिस मधु जैन ने सलमान खान के वकील को निर्देश दिया कि वे सुनिश्चित करें कि दूसरे पक्ष को याचिका की पूरी कॉपी उपलब्ध कराई जाए। इससे पहले की सुनवाई में अदालत ने फिल्म के निर्माता अमित जानी और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया था और उनसे जवाब मांगा था। यह पूरा विवाद फिल्म 'काला हिरण: द बैटल फॉर लेगेसी' से जुड़ा है, जो सलमान खान से संबंधित बहुचर्चित ब्लैकबक शिकार मामले पर आधारित बताई जा रही है। सलमान खान का आरोप है कि इस फिल्म में उनके नाम, छवि और व्यक्तित्व का बिना अनुमति उपयोग किया गया है, जो उनके पर्सनैलिटी राइट्स का सीधा उल्लंघन है।

याचिका में कहा गया है कि फिल्म के पोस्टर में ऐसे तत्व शामिल हैं, जो सीधे तौर पर सलमान खान की सार्वजनिक पहचान से मिलते-जुलते हैं, जिसके चलते फिल्म की रिलीज, प्रमोशन और डिजिटल स्ट्रीमिंग तक पर रोक लगाई जाए। सलमान खान ने यह याचिका प्रोड्यूसर अमित जानी, जानी फायरफॉक्स फिल्म्स, डायरेक्टर भरत श्रीनाटे, अक्षय पांडे और प्रोजेक्ट से जुड़े अन्य लोगों के खिलाफ दायर की थी।

'काला हिरण: बैटल फॉर लिगेसी' के फर्स्ट लुक और टीजर में सलमान खान से प्रेरित किरदार का नाम अयान खान रखा गया। अयान खान के किरदार को अभिनेता काशिफ इकबाल खान निभा रहे हैं। दर्शकों को उनका लुक, चलने का स्टाइल और हर हाव-भाव सलमान से एकदम मेल खाता नजर आया है। काशिफ इकबाल खान ठीक वैसा ही ब्रेसलेट पहने नजर आए, जैसा सलमान पहनते हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर लोग अपनी-अपनी राय दे रहे हैं।

प्रदर्शन

ओडिशा में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती हिंसा की घटनाओं को लेकर शनिवारको भुवनेश्वर के लोअर पीएमजी पर केंद्र सरकार के खिलाफ आंखों पर पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन करतीं ओडिशा प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकर्ता।

जब काजल अग्रवाल को साबित करना पड़ा खुद को जिंदा, मौत की खबर ने बढ़ा दी थी चिंता

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय सिनेमा और बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री काजल अग्रवाल आज किसी पहचान की मोहताज नहीं हैं। अपनी खूबसूरती, दमदार अभिनय और सादगी के दम पर उन्होंने करोड़ों दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। फिल्मों में उनकी सफलता की कहानी जितनी दिलचस्प है, उतनी ही प्रेरणादायक भी है। एक समय ऐसा था, जब उनकी मौत की खबरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही थी। यह खबर पढ़कर उन्हें बड़ा झटका लगा था। हालांकि, उन्होंने इस पूरे मामले को समझदारी से संभाला और अपने काम पर ध्यान देना जारी रखा। काजल अग्रवाल का जन्म 19 जून 1985 को मुंबई में हुआ था। बचपन से ही उन्हें अभिनय और डांस का शौक था। फिल्मों में आने से पहले उन्होंने कई विज्ञापनों में काम किया। कहा जाता है कि शुरुआती दिनों में उन्होंने बैकग्राउंड डांसर के रूप में भी काम किया था। धीरे-धीरे उनका झुकाव अभिनय की ओर बढ़ा और उन्होंने फिल्मी दुनिया में करियर बनाने का फैसला किया। काजल ने साल 2004 में फिल्म 'क्यूं! हो गया ना' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में उन्होंने ऐश्वर्या राय की दोस्त दीया मल्होत्रा का किरदार निभाया था। इसके बाद उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों का रुख किया। तेलुगु फिल्म 'लक्ष्मी कल्याणम' और फिर 'चंदामामा' में काम कर उन्होंने दर्शकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। असली सफलता उन्हें 'मगधीरा' से मिली, जिसने उन्हें साउथ सिनेमा की सबसे लोकप्रिय अभिनेत्रियों में शामिल कर दिया। इसके बाद काजल ने पीछे मुड़कर नहीं देखा। उन्होंने कई बड़ी तेलुगु और तमिल फिल्मों में काम किया और लगातार सफलता हासिल की। उनकी जोड़ी साउथ के कई बड़े सितारों के साथ पसंद की गई। साल 2011 में उन्होंने बॉलीवुड में दमदार वापसी की और 'सिंघम' में अजय देवगन के साथ नजर आईं। फिल्म सुपरहिट रही और काजल को हिंदी दर्शकों के बीच भी नई पहचान मिली। इसके बाद उन्होंने 'स्पेशल 26', 'दो लफ्जों की कहानी' और 'मुंबई सागा' जैसी फिल्मों में काम किया।

फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्मेंस के बाद नोरा फतेही ने कहा, मैं खुशकिस्मत रही कि मुझे कैरियर में यादगार पल मिले

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की डांसिंग दिवा नोरा फतेही ने कहा है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें अपने करियर में कई यादगार पल देखने को मिले। फिर भी, फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्म करने जैसी बड़ी कामयाबी का जश्न अपने करीबी लोगों के साथ मनाने के इमोशनल अनुभव से किसी चीज की तुलना नहीं की जा सकती।

नोरा ने टोरंटो में दूसरे फीफा वर्ल्ड कप ओपनिंग सेरेमनी की कई तस्वीरें शेयर कीं, जिनमें उनकी बहन, मां, भाई, हाई-स्कूल टीचर और दोस्त शामिल थे। मोरक्कन मूल की इस एक्ट्रेस ने वहां परफॉर्म किया था। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैं आप लोगों के साथ यह शेयर करना चाहती थी। मैं एक दशक से ज़्यादा समय से परफ़ॉर्म कर रही हूं, मैं खुशकिस्मत रही हूं कि मुझे अपने करियर में कई बड़े पल मिले और मैंने उन्हें अपने कुछ पसंदीदा लोगों के साथ शेयर किया है!

34 साल की डांसिंग दिवा ने कहा कि एक दशक से अधिक समय तक परफॉर्म करने के बाद, यह पहली बार था जब उनकी मां, भाई-बहन, बचपन के दोस्त, करीबी दोस्त और यहां तक कि उनके हाई-स्कूल के टीचर भी उन्हें लाइव परफॉर्म करते हुए देखने के लिए एक साथ आए थे।

नोरा फतेही ने कहा, मेरा पूरा परिवार और मेरे करीबी लोग कभी भी एक साथ नहीं थे। यह पहली बार था जब मैंने अपनी परफॉर्मेंस खत्म की और अपने सभी करीबी लोगों को मुझे गले लगाने के लिए एक साथ इंतजार करते हुए पाया! यह सच में मेरे लिए एक इमोशनल पल था। मैं हमेशा अकेले काम पर जाती हूं और परफॉर्मेंस खत्म होने के बाद घर चली जाती हूं, लेकिन इस बार कुछ अलग था। मेरे करीबी लोग पहली बार मुझे लाइव देखने के लिए इकट्ठा हुए और पहली बार मेरे साथ जश्न मनाया।

नोरा ने कहा, मैंने इस पल के लिए अपनी पूरी जिंदगी मेहनत की है। इस एहसास को शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। मेरी बहन, मेरी मां और मेरा भाई पहली बार वहां मौजूद थे! मेरे हाई-स्कूल टीचर, जो मेरे बहुत करीबी हैं, भी वहां मौजूद थे! मेरे बचपन के दोस्त और आज के करीबी दोस्त भी वहां थे! कुछ लोग ऐसे भी हैं जिनके वहाँ होने की मुझे चाहत थी, लेकिन मैं बहुत खुश और शुक्रगुजार हूं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हॉलमार्किंग पर जौहरी जागरूकता कार्यक्रम

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन भारत के राष्ट्रीय मानक निकाय, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) ने 19 जून को अरियालुर में अरियालुर और पेराम्बालुर जिलों के जौहरियों के लिए हॉलमार्किंग पर एक जौहरी जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया।

इस कार्यक्रम में बीआईएस हॉलमार्किंग आवश्यकताओं, अनुपालन दायित्वों, एचयूआईडी-आधारित हॉलमार्किंग, पंजीकरण प्रक्रियाओं और ई-बीआईएस पोर्टल के माध्यम से उपलब्ध डिजिटल सेवाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया।

बीआईएस अधिकारियों ने उपभोक्ता संरक्षण सुनिश्चित करने, निष्पक्ष व्यापार प्रथाओं को बढ़ावा देने और ज्वैलर्स की विश्वसनीयता बढ़ाने में हॉलमार्किंग की भूमिका पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का समापन हॉलमार्किंग और अनुपालन आवश्यकताओं से संबंधित प्रश्नों के उत्तर देने वाले एक संवादात्मक सत्र के साथ हुआ।

परमात्मा से केवल संपर्क नहीं, अटूट संबंध बनाइए : आचार्य कुलबोधि सूरीश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां श्री गुजराती श्वेताम्बर मूर्तिपूजक जैन संघ के तत्वावधान एवं आचार्यद्वय कुलबोधिसूरिश्वरजी एवं हीरचंद्रसूरिश्वरजी म.सा. की पावन निश्रा में भीड़भंजन पार्श्वनाथ जिनालय में शनिवार सुबह विजयशान्ति गुरुदेव, श्री घंटाकर्ण महावीर, मां लक्ष्मी देवी एवं मां सरस्वती देवी की प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा अत्यंत श्रद्धा, भक्ति, उत्साह और उमंग के वातावरण में विधिवत संपन्न हुई। प्रतिष्ठा महोत्सव के शुभ अवसर पर उपस्थित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पुण्यहाम्-पुण्यहाम् एवं प्रियंताम्-प्रियंताम मंत्रोच्चार तथा जयकारों से संपूर्ण परिसर भक्तिमय हो उठा। समारोह में लगभग 40 साधु-साध्वी भगवंतों का पावन सान्निध्य प्राप्त हुआ, जिससे आयोजन की गरिमा और अधिक बढ़ गई। महोत्सव के अंतर्गत मध्याह्न में लघु शांति स्नात्र पूजन तथा सायंकाल प्रभु भक्ति का आयोजन भी हुआ।

प्रतिष्ठा के पश्चात आयोजित धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्य कुलबोधिसूरीश्वरजी ने अध्यात्म जगत के दो महत्वपूर्ण शब्दों, संपर्क' और संबंध' की गहन व्याख्या की।

उन्होंने कहा कि तेल और पानी का केवल संपर्क होता है, क्योंकि दोनों एक-दूसरे में घुलते नहीं हैं, जबकि दूध और पानी का संबंध होता है, क्योंकि वे सहज रूप से एकाकार हो जाते हैं। इसी प्रकार जीवन में यह विचार करना आवश्यक है कि हमारा परमात्मा के साथ केवल संपर्क है या वास्तविक संबंध। आचार्यश्री ने कहा कि मैं प्रभु का हूं और प्रभु मेरे हैं, यह भाव ही परमात्मा के साथ सच्चे संबंध का आधार है। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि हनुमानजी स्वयं को श्रीराम का, अर्जुन स्वयं को श्रीकृष्ण का और गौतमस्वामी स्वयं को केवल भगवान महावीर का मानते थे। यही समर्पण उन्हें महान बनाता है। उन्होंने कहा कि संपर्क अस्थायी होता है, जबकि संबंध स्थायी होता है। जिसके बिना हम रह सकते हैं, वह संपर्क है और जिसके बिना रहना असंभव लगे, वही संबंध है। समकालीन जीवन पर सहज शैली में प्रकाश डालते हुए आचार्यश्री ने सोशल मीडिया की प्रवृत्ति पर चुटकी लेते हुए कहा कि आज लोग अधिक से अधिक लाइक' पाने की चिंता करते हैं, जबकि प्रभु का संदेश है, मेरी लाइक पाने का प्रयास करो, तुम्हारे भवो-भव सुधर जाएंगे। आचार्यश्री के इस प्रेरक संदेश ने उपस्थित श्रद्धालुओं को गहन चिंतन के लिए प्रेरित किया।

आचार्यश्री हीरचंद्रसूरिश्वरजी ने धर्म प्रभावना की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कभी-कभी एक छोटा-सा धार्मिक नियम भी अनेक आत्माओं के जीवन की दिशा बदल देता है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इतने शुभ दिन और शुभ वेला में प्रतिष्ठा महोत्सव का संपन्न होना समस्त संघ के लिए सौभाग्य का विषय है। मुनिश्री तीर्थचैतन्य विजयजी ने अपने उद्बोधन में उत्सवों के चार प्रकारों का सुंदर विवेचन किया। उन्होंने कहा कि लौकिक प्रसंग की उज्ञवणी, लौकिक प्रसंग की लोकोत्तर उज्ञवणी, लोकोत्तर प्रसंग की लौकिक उज्ञवणी तथा लोकोत्तर प्रसंग की लोकोत्तर उज्ञवणी, ये उत्सवों के चार स्वरूप हैं। उन्होंने कहा कि गुजराती जैनवाड़ी में आयोजित यह प्रतिष्ठा महोत्सव एक लोकोत्तर प्रसंग था और उसकी उज्ञवणी भी पूर्णतः लोकोत्तर रही। उन्होंने कहा कि संपत्ति तो अनेक लोगों के पास होती है, किंतु ऐसे दुर्लभ धार्मिक अवसरों का लाभ पुण्यानुबंधी पुण्य से ही प्राप्त होता है। इस अवसर पर संघ की ओर से महोत्सव के लाभार्थी मुथा पवनीदेवी-चंपालाल गुलेच्छा परिवार, शिल्पकारों, विधिकारकों, संगीतकारों, आंगीकारकों, व्यवस्था सहयोगी मंडल, संघ के सहयोगियों एवं कार्यकर्ताओं का सम्मान कर उनके योगदान का अभिनंदन किया गया।

रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल ने असाधारण प्रतिभाओं को सम्मानित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल ने विश्व मंच पर देश की प्रतिष्ठा में चार चांद लगाने वाले असाधारण प्रतिभावान व्यक्तियों के सम्मान में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन एगमोर स्थित एक होटल में किया। इस कार्यक्रम में देश को गौरवान्वित करने वाले चार प्रतिभावान व्यक्तियों को सम्मानित किया गया जिनमें पद्म श्री पुरस्कार से सम्मानित डॉ. एस. थानिकाचलम प्रख्यात अंतरिक्ष वैज्ञानिक और सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (आईएसआरओ) के पूर्व निदेशक डॉ. एस. पांडियन, ट्रेन 18 के जनक डॉ. सुधांशु मणि एवं देश के जल योद्धा के रूप में पहचाने जाने वाले निमल राघवन शामिल थे। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में अन्ना नगर क्षेत्र के विधायक वी.के. रामकुमार एवं विशिष्ट अतिथियों के रूप में रोटरी क्लब ऑफ चेन्नई कैपिटल के रोटेरियन देवेंद्रन तथा रोटेरियन श्रीराम दुव्वुरी उपस्थित थे । इस अवसर पर कार्यक्रम का नेतृत्व करते हुए अध्यक्ष अपूर्वा मोदी ने कहा कि क्लब की यह थीम इस बात का प्रमाण है कि भारत की सबसे बड़ी दौलत उसके लोगों की प्रतिभा में निहित है। उन्होंने कहा कि इन प्रतिभाओं की कहानियां हमारे समुदाय को नई ऊर्जा प्रदान करेंगी और प्रत्येक रोटेरियन को अपने पेशेवर अवसरों का उपयोग करके समाज की भलाई के लिए नए और प्रभावशाली तरीके खोजने के लिए प्रेरित करेगी । कार्यक्रम में रोटेरियन सत्य राव, रोटेरियन वरिंदर सिंह बॉबी, रोटेरियन आलोक मिमानी, रोटेरियन वीर शिवाजी, रोटेरियन ऋषि वधवा, रोटेरियन राजकुमार नारंग (सचिव) और एन रोशनी मोदी सहित क्लब के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन परियोजना अध्यक्ष रोटेरियन विनय ग्रांधी ने किया।

बीजेस चिदंबरम चैप्टर के सदस्यों के साथ पर्यावरण दिवस मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। भारतीय जैन संघटना चिदंबरम चैप्टर ने राज्य अध्यक्ष कमल किशोर तमिलनाडु राज्य मैट्रिमोनियल टीम मुक्कन राज और बीजेस चिदंबरम चैप्टर के सदस्यों के साथ पर्यावरण दिवस मनाया सभी सदस्यों ने वर्षारोपण कार्यक्रम मे आनंद और उल्लास के साथ भाग लिया और अनेक छोटे बड़े पेड़ पौधों का रोपण किया।

बीजेस के पर्यावरण दिवस पर आयोजन वृक्षरोपण कार्यक्रम मे प्रकाश खाबिया का खास योगदान और सहयोग रहा।

इस मौके पर बीजेस चिदंबरम के अध्यक्ष एम मनीष छललानी, सचिव प्रकाश खाबिया, कोषाध्यक्ष जिनेंद्र चोरडिया एवं अनेक बीजेस कार्यकर्त्ता उपस्थित थे।

अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज ने मनाया अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई । योग साधना के लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाने एवं मानव कल्याण और समग्र स्वास्थ्य जीवन जीने के उद्देश्य से 20 जून को अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के प्रांगण में विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया के नेतृत्व में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। जिसका विषय था स्वस्थ आयु के लिए योग। इस समारोह में लेफ्टिनेंट डॉक्टर ए. जयराम ने मुख्य अतिथि पद की शोभा बढ़ाई। विद्यालय के छात्र ने अपने स्वागत भाषण से सभी अतिथियों का स्वागत किया। संयुक्त संवाददाता शालिनी अग्रवाल ने शॉल ओढाक़र तथा प्रधानाचार्या श्रीमती सी विजयलक्ष्मी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर मुख्य अतिथि का सम्मान किया। इस योग दिवस में ब्रह्माकुमारीज योगा मेडिटेशन सेंटर के प्रशिक्षक बीके श्याम नारायणन एवं बीके रेवती तथा विद्यालय के छात्र - छात्राओं ने बड़े ही उत्साह से भाग लिया एवं विभिन्न प्रकार के योग का प्रदर्शन किया।

मुख्य अतिथि ने छात्रों को योग के प्रति प्रोत्साहित करते हुए कहा कि प्रत्येक योग गतिविधि लचीलापन, ताकत, शारीरिक, मानसिक और भावात्मक संतुलन में सुधार की कुंजी है इसलिए योग को हमें अपने दैनिक जीवन में एक भाग के रूप में अपनाना चाहिए और प्रतिदिन प्रातः कुछ समय निकालकर योग जरूर करना चाहिए। इस समारोह में विद्यालय की समिति सदस्या शारदा अग्रवाल, शिल्पा जलान, वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव, उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन, योगा शिक्षिका श्रीमती वल्ली एवं अन्य शिक्षकगणों ने अपनी उपस्थिति देकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई ।

क्रूज़ जहाज़ एमवी एम्प्रेस का चेन्नई पोर्ट पर स्वागत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और दक्षिण-पूर्व भारत के लिए एक प्रमुख गेटवे के तौर पर चेन्नई पोर्ट की बढ़ती अहमियत को दिखाते हुए, लक्ज़री क्रूज़ पैसेंजर जहाज़ एमवी एम्प्रेस 20 जून को चेन्नई पोर्ट पहुंचा।

चेन्नई पोर्ट अपनी पूरी क्षमता के साथ रिकॉर्ड 3,600 यात्रियों को संभाला। इसमें एमवी एम्प्रेस से उतरने वाले 1,800 यात्रियों और उस पर सवार होने वाले 1,800 नए यात्रियों का प्रबंधन सुचारू रूप से किया। यह कार्यक्रम आधिकारिक तौर पर एक बड़े क्रूज़ सीज़न की शुरुआत करेगा, जिसमें यह जहाज़ जून से अगस्त तक तीन महीनों की अवधि में 21 यात्राएँ पूरी करेगा। इससे चेन्नई पोर्ट दक्षिण-पूर्व भारत के लिए एक प्रमुख गेटवे के तौर पर मज़बूती से स्थापित होगा।

चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी के चेयरपर्सन के निर्देशन में एक भव्य, हार्दिक और पारंपरिक स्वागत समारोह आयोजित किया जा रहा है। इस क्षेत्र की मशहूर मेहमाननवाज़ी को दिखाते हुए, तमिलनाडु टूरिज्म डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (टीटीडीसी) एक पारंपरिक स्वागत समारोह आयोजित करेगा। ताकि अंतरराष्ट्रीय और घरेलू यात्रियों को भारतीय मेहमाननवाज़ी का यादगार अनुभव मिल सके। सभी का पारंपरिक स्वागत में शुभ तिलक लगाकर, फूलगुलदस्ते भेंट कर किया गया।

विश्व-स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर: प्रीमियम क्रूज़ पैसेंजर टर्मिनल एमवी एम्प्रेस के यात्री चेन्नई पोर्ट के वेस्ट क्वे पर स्थित नए और आधुनिक प्रीमियम अंतरराष्ट्रीय क्रूज़ पैसेंजर टर्मिनल की बेहतरीन सुविधाओं का अनुभव किया।

सभी धर्मों ने मातृभूमि की रक्षा को सर्वोच्च कर्तव्य माना है : राष्ट्रसंत कमलमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के केंगेरी में शनिवार को आयोजित प्रवचन सभा को संबोधित करते हुए जैन दिवाकरीय राष्ट्रसंतश्री कमलमुनिजी कमलेश ने कहा कि जिस माटी से महापुरुषों के शरीर का निर्माण हुआ, जिस धरती पर मंदिर, मस्जिद, चर्च और गुरुद्वारे खड़े हैं, वह मातृभूमि किसी भी भौतिक संपदा से अधिक मूल्यवान है। हीरा, पन्ना, माणिक और मोती भी उसके सामने तुच्छ हैं। धरती माता के सहयोग के बिना जीवन की कल्पना भी संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि लोग कहते हैं कि मां के चरणों में जन्नत है, किंतु धरती माता उससे भी महान है, क्योंकि वही सभी प्राणियों का पालन-पोषण करती है। प्राणवायु से लेकर अन्न और जल तक सब कुछ धरती माता की देन है। सभी धर्मों ने मातृभूमि की रक्षा को सर्वोच्च कर्तव्य माना है।

जो व्यक्ति अपने देश और भूमि की रक्षा के लिए प्राणों का उत्सर्ग करता है, वही सच्चे अर्थों में महान धार्मिक और महापुरुष कहलाता है।राष्ट्रसंत ने कहा कि मजहब से बढ़कर मातृभूमि है। जो व्यक्ति अपनी धरती और देश के प्रति वफादार नहीं है, वह न तो सच्चा धार्मिक हो सकता है और न ही अच्छा इंसान। पशु भी जिस घर में रहते हैं उसकी रक्षा के लिए अपने प्राणों की बाजी लगा देते हैं। मनुष्य को उनसे भी प्रेरणा लेनी चाहिए।

कृतघ्नता और विश्वासघात किसी भी धर्म की शिक्षा नहीं है। मुनिश्री ने महाराणा प्रताप के जीवन का स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने मातृभूमि की स्वतंत्रता और स्वाभिमान की रक्षा के लिए राजवैभव और सुख-सुविधाओं का त्याग कर अनेक कष्ट सहे, लेकिन अपने सिद्धांतों और राष्ट्रनिष्ठा से कभी समझौता नहीं किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.